INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-98 | मथुरा, मंगलवार, 3 जून 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज-06
बांके बिहारी की सेवार्थ भक्त करते रहे हैं निजी संपत्तियों का दान

पेज-11
दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्घाटन 6 जून को

पेज-12
आगरा : यमुना में नहाने गई छह बालिकाओं की डूबने से मौत

पुलिस की कड़ी चौकसी के बीच चोरों का दुस्साहस

मथुरा का रजिस्ट्री कार्यालय।

जांच कर वापस लौटती पुलिस।

टूटे जंगले का नजारा।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चोरों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि उनको पुलिस का कतई खौफ नहीं रहा। इसलिए तो चोरों की टोली ने पुलिस चौकी के निकट रजिस्ट्री कार्यालय को अपना निशाना बना डाला। जंगला काटकर अंदर प्रवेश कर गए। चोरों की टोली ने अंदर घुसकर दस्तावेजों और तिजोरी के साथ छेड़छाड़ की है। घटना की जानकारी का पता आज सुबह 10 बजे उस समय चला, जब ऑफिस खुला तो अधिकारी और कर्मचारियों के होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि जंगला की सरिया टूटी दिखाई दे रही थी। किसी बड़ी घटना की आशंका सताने लगी। कार्यालय के अंदर दस्तावेज बिखरे हुए थे। इस खबर को सुनकर लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया है। प्रशासन की नाक पर चोर रुक नहीं पा रहे हैं। चंद दूरी पर पुलिस चौकी है। इस

जंगला तोड़कर चोर रजिस्ट्री कार्यालय में घुसे

दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की, पुलिस जांच में जुटी

वीआईपी इलाके में चोर चोरी का अंजाम दे रहे है, तो आम लोगों का क्या होगा।

यह रजिस्ट्री कार्यालय डीएम ऑफिस के समीप और एसएसपी कार्यालय के सामने है जबकि रजिस्ट्री कार्यालय के बराबर जिला शस्त्र न्यायालय हैं। वहीं पर सिविल पुलिस चौकी है। यहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहती है। बावजूद अज्ञात चोरों ने इस दुस्साहिक घटना को अंजाम दिया हैं। कुछ लोगों का कहना है, कि कहीं ऐसा इसमें किसी की चाल हो। सब रजिस्ट्रार अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बदमाश पीछे के रास्ते से आया है। अंदर आने का कोई और रास्ता नहीं है। चारों तरफ से बंद है। चोरों की नजर रसीद वाले रुपये पर हो सकती है लेकिन रसीद वाले रुपये को उसी दिन बैंक में जमा करा दिया जाता है। इसकी सूचना मिलते ही सीओ सिटी भूषण वर्मा व एसओ सदर ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। फोरेंस टीम ने भी जांच शुरू कर दी। जांच के बाद 1. 30 बजे से रोजाना की तरह कार्य चालू करा दिया है। कातिब केके चौधरी ने बताया कि जिला मुख्यालय पर हुई इस घटना से सभी कातिब एवं कर्मचारियों में आक्रोश है। उन्होंने 2:00 बजे तक काम बंद करने का ऐलान किया था।

पत्नी और बेटी की हत्या कर सर्राफा व्यवसायी फरार

आगरा जिले के थाना इरादतनगर क्षेत्र स्थित बृथला गांव में डबल मर्डर की जानकारी पर लोगों की भीड़ एवं पुलिस।

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना इरादतनगर क्षेत्र स्थित बृथला गांव में मंगलवार की सुबह झकझोर देने वाली डबल मर्डर की घटना सामने आई। गांव के निवासी सर्राफा व्यवसायी कृष्णकांत पुत्र रामबाबू ने घरेलू विवाद की वजह से अपनी पत्नी कृष्णा देवी (38 वर्ष) और 12 वर्षीय बेटी लाड़ो की निर्मम हत्या कर दी। वारदात से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार वारदात को अंजाम देने के बाद कृष्णकांत सुबह लगभग पांच बजे बाइक लेकर फरार हो गया। उस समय उसके दो बेटे आगरा में अपने मामा के घर गए हुए थे, जिससे वे इस त्रासदी का शिकार होने से बच गए। घटना की जानकारी तब हुई जब एक पड़ोसी अपनी बाइक की चाबी लेने कृष्णकांत के घर पहुंचा। उसने देखा कि घर के मुख्य द्वार की कुंडी बाहर से बंद थी। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला और अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, तो उसने झांक कर देखा। अंदर का दृश्य देखकर वह हक्का-बक्का रह गया। घर के अंदर कृष्णा और उसकी बेटी लाड़ो के शव पड़े थे। पड़ोसी ने गांववालों को सूचना देने के बाद तुरंत थाना इरादतनगर पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर

चित्र में मां और बेटी (फाइल फोटो)

पहुंची। दरवाजा तोड़कर शवों को बाहर निकाला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कृष्णा की मौत सिर पर ईंट से वार किए जाने के कारण हुई है, जबकि बेटी लाड़ो के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे उसको जहर देकर मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। घटना के बाद से आरोपी कृष्णकांत फरार है। पुलिस ने गांव और आसपास के संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। साथ ही, पुलिस कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है और मायके पक्ष को भी सूचना दे दी गई है। घटना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस हर संभावित एंगल से जांच कर रही है।

खौफ | डेंपियर नगर की घटना ने लोगों को सोचने के लिए किया विवश

बदरों के खौफ से कब तक होती रहेंगी मौतें

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बंदरों का उत्पात किसी से छिपा नहीं है। बंदरों के खौफ से कई लोगों की जान तक चली गई है। इनके आतंक से परेशान लोगों की गुहार पर नगर निगम ने बंदर पकड़ने के लिए लाखों रुपये खर्च किए, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात निकला। ताजा घटना डेंपियर नगर की है। बंदरों के खौफ से छत से गिरी एक युवती की मौत ने सभी को झकझोर दिया है। सोचने के लिए विवश कर दिया है कि आखिरकार बंदरों के आतंक से कितने लोगों की मौत होगी। पूर्व विधायक ठाकुर चंदन के छोटे पुत्र अनिरुद्ध प्रताप सिंह एवं ला डिपार्टमेंट की प्रो. पारुल सिंह की बेटी आस्था छत पर जिम करने के लिए गई थी। गेट खोलने पर बंदर उसकी ओर झपटा तो वह घबराई। बचाव का प्रयास किया तो असंतुलित होकर छत से बगल वाले खाली पड़े प्लॉट में गिर गई। परिवार के लोगों को मालूम पड़ा तो वह घटना स्थल

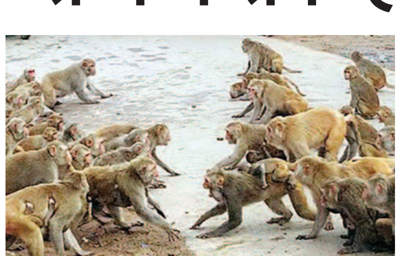

पर पहुंचे और उसे अचेतावस्था में अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि आस्था ने जीएलए विश्वविद्यालय से बीटेक की परीक्षा पास की थी। वह दो भाइयों की एक बहन थी। ऐसी पहले न जाने कितनी घटनाएं मथुरा-वृंदावन समेत कई और जगहों पर हो चुकी हैं। कुछ दिन जनता शोर शराबा करती है। अधिकारियों की नींद टूटती है। बंदरों के पकड़ने का प्लान तैयार होता है। टेंडर उठाए जाते हैं। एक-एक बंदर पकड़ने की कीमत 150 से 250 रुपये

मथुरा-वृंदावन में बंदर पकड़े गए, पर कम नहीं हुए

तक दी जाती है। इस हिसाब से नगर निगम के खजाने से लाखों रुपये बंदरों के पकड़ने पर खर्च हो गए, लेकिन बंदरों का आतंक मथुरा-वृंदावन के कई क्षेत्रों में आज भी बरकरार है। उसी का परिणाम है कि डेंपियर नगर में घटना हो गई। मथुरा के चौबिया पाड़ा समेत आसपास के क्षेत्रों में बंदरों के आतंक से लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही वृंदावन में बंदरों के शिकार श्रद्धालु होते हैं। रोजाना किसी न किसी क्षेत्र में पर्स, चश्मा एवं टोपी छीनने की घटनाएं होती है। किसी क्षेत्र से बंदर घरों की रसोई में घुसकर उछल कूद तक कर डालते हैं। आखिरकार बंदरों के खौफ से लोगों की मौत कब तक होती रहेंगी। कई लोगों का कहना है कि बंदरों की संख्या कम करने के लिए उनका प्रजनन रोकना कारगर उपाय है।

दिन दहाड़े बैंक के सामने एक व्यक्ति की हत्या

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। थाना क्षेत्र के ग्राम रैपुराजाट स्थित केनरा बैंक के सामने आज दिन दहाड़े एक व्यक्ति की गोली मार हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। हत्या की खबर पाते ही इलाका पुलिस पहुंच गई। सीओ ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार ग्राम भदाया गंगाधर निवासी ओमवीर सिंह ग्राम रैपुरा जाट स्थित केनरा बैंक के पास खड़ा हुआ था। इस दरम्यान कार में सवार दो तीन व्यक्ति आए। उन्होंने ओंमवीर सिंह को देखकर गोलियां चलाई। गोलियां लगते ही ओमवीर सिंह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। फरह थाने से फोर्स मौके पर पहुंच गया। पुलिस बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से हत्याभियुक्त तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो ओमवीर सिंह की अपने भाई प्रेम सिंह से जमीन विवाद के कारण रंजिश चल रही थी। प्रेम सिंह की पत्नी की हत्या पहले की जा चुकी है। अब पुलिस कई सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पांच को गंगा दशहरा, तैयारियां शुरू

अधिकारियों ने किया यमुना के घाटों का निरीक्षण

स्टीमर में बैठकर यमुना की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश एवं अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार।

राजस्थान के श्रद्धालु भंवरलाल व अंजलि जोशी से व्यवस्थाओं का फीड बैक लेते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, साथ में नगर आयुक्त जग प्रवेश, हिन्दूवादी नेता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ गंगा दशहरा पर यमुना के घाटों पर स्नानाथियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरीक्षण किया। उन्होंने यमुना के विश्राम घाट सहित सभी घाटों की साफ सफाई, कपड़ा चेंजिंग रूम बनाने, लाइट की व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए।

डीएम, एसएसपी और नगर आयुक्त ने लिया जायजा

सफाई, विद्युत आपूर्ति व गोताखोर की व्यवस्था करने के निर्देश

दोपहर में जिलाधिकारी ने एसएसपी, नगर आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों के साथ विश्राम घाट, बंगाली घाट, राजा घाट, स्वामी घाट का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त से कहा कि गंगा दशहरा पर्व पर यमुना और द्वारकाधीश मंदिर के रास्तों की साफ सफाई की जाए। नालियों से सिल्ट निकलवाई जाए। साथ ही घाटों की साफ सफाई निरंतर हो। यमुना के कच्चे घाटों पर टेंट लगाकर व्यवस्था करने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए। सभी घाटों पर महिलाओं के लिए अस्थाई चेजिंग रूम बनाने के लिए कहते हुए रास्तों व घाटों पर लाइट का प्रबंध करने के निर्देश दिए। मोटर वोट से पुलिस की पिकेट लगाने को कहा और गोताखोर तैनात करने के भी निर्देश दिए। यमुना के गहरे पानी में कोई नहीं जाए। इसके लिए डीएम ने बेरीकेडिंग की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को यमुना में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के गंगा दशहरा पर यमुना के घाटों पर पुलिस फोर्स और खोया पाया केन्द्र, सामान घर, जूता घर खोलने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ही हिन्दूवादी नेता गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

यात्रियों ने कहा सब ठीक है लेकिन सफाई अच्छी नहीं

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार व नगर आयुक्त जग प्रवेश आज दोपहर को विश्राम घाट का निरीक्षण कर रहे थे तो उनको राजस्थान के जैसलमेर के दो यात्री मिले। जिन्होंने डीएम को अपना नाम भंवरलाल व अंजलि जोशी बताया। डीएम ने ब्रज की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। दोनों ने कहा कि कानून की व्यवस्था ठीक है। लेकिन सफाई की व्यवस्था मथुरा वृंदावन में अच्छी नहीं है। इस पर डीएम ने नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि मथुरा वृंदावन के सभी मंदिरों, प्रमुख स्थल, यमुना किनारे व परिक्रमा मार्ग की साफ सफाई नियमित कराई जाए। कहीं भी कचरा फैला नहीं मिले। इसका अधिकारियों की टीम बनाकर उसकी जांच कराते हैं। ताकि देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की गंदगी नहीं मिले। ऐसी व्यवस्थाएं की जाए।

चैंबर के पदाधिकारी बोले...

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर से सर्वसमाज का भला होगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन की बैठक में मथुरा–वृंदावन विकास के लिए ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण पर सभी सदस्यों ने एक मत से कॉरिडोर बनाने की वकालत की। अध्यक्ष राजीव बृजवासी ने कहा कि कॉरिडोर बनने से सर्व समाज का भला होगा। शहर का विकास ही होगा। व्यापार में उत्तरोत्तर प्रगति होगी। श्रद्धालुओं को मथुरा–वृंदावन आने पर आनंद की अनुभूति होगी।

पूर्व अध्यक्ष राजेश बजाज ने कहा कि कॉरिडोर बनने से उद्योग एवं व्यापार को प्रगति मिलेगी। मुकेश प्रेस वालों ने कहा कि श्रद्धालुओं को होने वाली मुसीबत से छुटकारा मिलेगा। राजेंद्र

नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन के पदाधिकारी।

कुमार हाथी वालों ने कहा कि काफी श्रद्धालु भीड़ भाड़ की वजह से ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन करने हेतु नहीं आ पा रहे हैं कॉरिडोर बनने से उन सभी को सुलभ दर्शन का लाभ प्राप्त हो सकेगा। महामंत्री राम प्रकाश अग्रवाल एवं मनीष शोरावालों ने कहा कि कॉरिडोर वक्त की जरूरत है जैसे बनारस, अयोध्या का विकास हुआ है वैसे ही मथुरा वृंदावन कॉरिडोर बनने से मथुरा विकास की अग्रिम श्रेणी में आएगा सब समाज के लोगों को कॉरिडोर बनने से लाभ ही प्राप्त होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद खंडेलवाल

कॉरिडोर बनने से टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा

तुषार हाथी वालों ने कहा कि कॉरिडोर बनने से टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। कॉरिडोर बनने से मथुरा वृंदावन की विकास में पंख लग जाएंगे। कोषाध्यक्ष अमित जैन ने कहा कि टूरिस्ट के आने से यहां के उद्योग धंधे जिनमें प्रमुख रूप से पोशाक, कंठी माला, चांदी की पायल, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, होटल रेस्टोरेंट जैसे सभी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री विशाल बंसल उमेश जुगासना ने बताया कि मथुरा वृंदावन आने की कनेक्टिविटी बढ़िया हो जाएगी। इसे सरकार को प्रयास कर सभी को साथ लेकर जल्द से जल्द बनाना चाहिए।

गंगा दशहरा पर मथुरा में पतंगों की होगी धूम

गंगा दशहरा पर पतंगों से सजी दुकान।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा आते ही पतंग उड़ाने के दीवानों की दीवानगी दिखाई देने लगती है। पांच जून को आसमान में रंग–बिरंगी पतंगों की उड़ान की उमंग देखने को मिल रही है। इस साल भी जिले में दशहरे को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सदियों से चली आ रही पुरानी पतंगबाजी की परंपरा को लेकर बच्चे, युवा और बुजुर्ग में जबरदस्त जोश दिख रहा है। बाजारों में इस समय पतंगों की रंगीन छटा हर किसी को अपनी ओर आकर खीच रहीं है। पतंगों की दुकानें शहर के मुख्य बाजारों से लेकर कस्बों और ग्रामीण इलाकों तक सज चुकी हैं। दुकानदार विविध रंगों और डिजाइन की पतंगों से सजाकर ग्राहकों को लुभा रहे है। जनरगंज स्थित दुकानदार राहुल ने बताया कि इस बार खासतौर से डोरीमॉन और टॉम एंड जैरी की पतंगों की बिक्री हो रही है। इसलिए इन पतंगों की मांग सबसे अधिक देखी जा रही है। इन पतंगों ने बाजार में अपनी खास जगह बना ली है। बाजारों में पतंगों की कीमत तीन रुपये से 20 रुपये है। साथ ही डिजाइनर चरखी बाजार में 700 से 1200 रुपये तक की कीमत बिक रहीं है, जिसमें एक रील 150 रुपये से 200 रुपये तक बिक रहीं है। दुकानदार का कहना कि जो बच्चे पंतग लेकर जा रहे है, उनको हम लोग समझाते है, कि पतंग उड़ाते समय अपना और दूसरे का भी ध्यान रखे। एक अन्य दुकानदार ने बताया कि इस साल पिछले वर्षों के मुकाबले बिक्री ज्यादा हो रही है। बच्चे और युवा दोनों ही खूब खरीदारी कर रहे हैं।

डोरीमॉन और टॉम एंड जैरी की पतंगों का बोलबाला

छाता पुलिस की पकड़ में आया वांछित अभियुक्त

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता पुलिस टीम ने अभियुक्त लेखराज पुत्र तेजपाल निवासी जौनई थाना जैंत (मथुरा) को दौताना फ्लाईओवर के अण्डरपास को पार करके छाता की तरफ 200 मीटर दूरी पर गिरफ्तार किया। अभियुक्त कोतवाली छाता के एक मुकदमे में वांछित चल रहा था।

इको कार से टकराकर मिनी बस पलटी, 17 यात्री घायल

घायलों को सीएचसी गोवर्धन, जिला अस्पताल में कराया भर्ती

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। श्रद्धालुओं को लेकर गोवर्धन होकर जयपुर जा रही मिनी बस मंगलवार सुबह आठ बजे बस को बचाने में सामने से आ रही इको से टकरा कर पलट गई। घटना में जयपुर और मथुरा के 17 श्रद्धालु घायल हो गए हैं। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। ब्रज में मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना की यात्रा करने के बाद श्रद्धालुओं को लेकर मिनी बस वापस जयपुर जा रही थी। सुबह आठ बजे सौंख रोड पर महमदपुर चौराहा के समीप बस से टक्कर होने से बचाने के लिए मिनी बस सामने से आ रही इको को टक्कर मारकर पलट गई। हादसे के बाद श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर दौड़े। लोगों ने पुलिस को सूचना देकर मिनी बस में फंसे श्रद्धालुओं को निकलने का कार्य शुरू किया। पुलिस पहुंच गई और एंबुलेंस की मदद से 17 घायलों को सीएचसी गोवर्धन भेजा गया। जयपुर के बीपी शर्मा ने बताया कि उनके साथ 15 श्रद्धालु आए हैं। इनमें प्रियांशु शर्मा, मनन, पार्थ, यश, नीतू, वेद प्रकाश, किरन, डिम्पल, रिद्धिका, तन्वी, हर्षिता, गौरी, सोनल आदि घायल हुए हैं। इको कार में सवार मथुरा कठूमर के पूजा जैन, प्रदीप जैन, ऋषभ जैन, सौम्या घायल हुईं हैं। मथुरा के घायलों को महर्षि दयानंद जिला अस्पताल मथुरा रेफर किया गया है।

लक्ष्य एकेडमी के छात्रों ने एक बार फिर परचम लहराया

परीक्षा में उत्तीर्ण हुए लक्ष्य एकेडमी के छात्र-छात्राएं।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जेईई एडवांस्ड 2025 का परिणाम घोषित हो चुका है। लक्ष्य एकेडमी ने फिर से परचम लहराया। एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र सबल अग्रवाल ने ऑल इंडिया जनरल कैटेगरी रैंक 272 हासिल कर मथुरा में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता न केवल छात्र के लिए बल्कि पूरे ब्रज के लिए बड़ी सफलता है। लक्ष्य एकेडमी के 42 छात्र परीक्षा में बैठे थे उनमें से 12 छात्रों ने सफलता हासिल की। युग भूषण की 831 वीं रैंक रहीं। साथ ही श्याम अग्रवाल 2199 वीं. ऋत्विक केलकर 2224 वीं, अमित बघेल 2987, खुश वार्ष्णेय 3748, मोरमुकुट 4012, प्रखर रावत 5024, अंश अग्रवाल 8146, कृष्णा सिंह 10539, माधव खंडेलवाल 16116 एवं दिव्यांश पाराशर 25215 वी रैंक हासिल की है। परीक्षा में सफल छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एकेडमी के शिक्षकों को दिया। लक्ष्य एकेडमी के संस्थापक ने कहा कि हम अपने छात्रों की इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है।

हमारा लक्ष्य केवल आईआईटी प्रवेश ही नहीं, बल्कि संपूर्ण शैक्षिक और नैतिक विकास पर भी केंद्रित रहता है। एकेडमी की इस सफलता को लेकर जो बच्चे एकेडमी में अध्ययन कर रहे छात्रों ने हर्ष जताया।

अकादमी की तबला वादन कार्यशाला का समापन

तबला वादन कार्यशाला के समापन पर प्रशिक्षण देते संगीत मनीषी डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ.प्र.) और डॉ. राजेन्द्र कृष्ण संगीत महाविद्यालय, मथुरा द्वारा शास्त्रीय, उप-शास्त्रीय और सुगम और जैसे हर संगीत की संगति के लिए प्रमुखतम अवनद्ध वाद्य तबला के एकल वादन (सोलो) और संगति की कला के प्रशिक्षण के उद्देश्य से आयोजित 15 दिवसीय तबला वादन कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला का प्रारंभ संगीत-मनीषी डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल, संस्था के प्राचार्य संगीताचार्य आलोक अग्रवाल एवं मुख्य शिक्षिका शिप्रा गर्ग ने किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए गुरु डॉ. राजेन्द्र कृष्ण ने कहा कि 15 दिन की इस ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में जहां आपको बहुत कुछ सीखने को मिला वहीं मेरा भी बहुत उत्साहवर्धन हुआ है। उन्होंने दो सप्ताह में सिखाये तबला वादन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित कलाकार आरोही अग्रवाल, योगेश शर्मा, ध्रुव तिवारी, मनोज कुमार आदि ने जहां एक से बढ़कर एक गायन और एकल तबला वादन की प्रस्तुतियों से सबका मन मोहा वहीं अनन्या शर्मा, अंजनेय शर्मा, सत्यप्रकाश, प्रिंस गौतम, इंद्रजीत गौतम, सौम्य भारद्वाज, यशस्वी शर्मा, ताशु शर्मा, अखिलदीप पाण्डेय, हिमालय, यशविता अग्रवाल आदि ने आपस में खूब गा-बजाकर खुशियां मनाईं। समापन करते हुए गुरु डॉ. राजेन्द्र कृष्ण ने भी कई गीत, भजन और गजल गाकर सबका मन मोह लिया। संस्था प्राचार्य संगीताचार्य आलोक अग्रवाल ने उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के सभी अधिकारियों सहित प्रशिक्षक गुरु डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल सहित सभी प्रशिक्षुओं के प्रति आभार जताया।

डीएम ने 582 गरीब कन्याओं की शादी कराने की जिम्मेदारी तय की

नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत व ब्लॉकों के लक्ष्य किए निर्धारित

संबंधित निकाय व पंचायत के अधिकारियों को आवेदन कराने के निर्देश दिए

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए जिले के शहरी क्षेत्रों में निवास कर रहे गरीब परिवार की बेटियों की शादी के लक्ष्य जिलाधिकारी ने तय कर दिए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए नगर निगम मथुरा वृंदावन के लिए 100, नगर पालिका कोसीकलां के लिए 17, 13 नगर पंचायत को पांच-पांच, 10 ब्लॉकों के लिए 40-40 बेटियों की शादी कराने की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका, बीडीओ को निर्देशित किया है वे अपने अपने क्षेत्रों में कैम्प लगाकर विवाह योग कन्याओं के आवेदन करायें। उन्होंने बताया कि अब मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले सामूहिक विवाह समारोह पर 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। बेटियों के बैंक खाते में 35 हजार रुपये मिलते थे उसके स्थान पर अब 60 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा 10 हजार रुपये का सामान मिलता था उसके स्थान पर 25 हजार का सामान मिलेगा। सामानों की संख्या 25 कर दी गई है। पहले आयोजन व दावत टेंट का खर्चा 6 हजार मिलता था। अब 15 हजार रुपये आयोजन के मिलेंगे। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक आवेदन करने की अपील की है।

असहाय परिवारों को राशन वितरण

राशन पाकर असहाय परिवार पदाधिकारियों के साथ।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के तत्वावधान में चैरिटी इवेंट बाय टीम ने असहाय घुमंतू, निर्बल गरीब परिवारों को दैनिक उपयोग को निशुल्क राशन वितरण शिविर कृष्णा नगर बिजली घर पर एडवोकेट अजय मंडल के नेतृत्व में लगाया। राशन वितरण शिविर के दौरान समाजवादी बाबा साहब आम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी एवं एडवोकेट अरविंद कुमार सिंह ने वर्तमान समय में निशुल्क राशन वितरण जैसे कार्यक्रम को मानवीय मूल्य के संरक्षण का कदम बताकर दान दाताओं की प्रशंसा की। साथ ही राशन वितरण के दौरान गरीब परिवारों के चेहरों पर छाई मुस्कान को सर्वश्रेष्ठ मानवता का लक्ष्य बताया। इस मौके पर समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश राही, आकाश बाबू एडवोकेट, हेमेंद्र कुमार एडवोकेट, रवि कुमार एडवोकेट, अजय मंडल, सौरभ कुमार इंजीनियर, गौरव कुमार भोला आदि उपस्थित थे।

गांवों में फैमिली आईडी बनाने की गति सीडीओ को धीमी मिली

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के गांवों में फैमिली आईडी की प्रगति की वचुर्अल बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी पंचायत सहायक व एडीओ पंचायत को प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सबसे कम प्रगति वाले गांव पंचायतों के पंचायत सहायकों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जनपद में ग्रामीण क्षेत्र में शतप्रतिशत परिवारों की फैमिली आईडी बनाने का कार्य पंचायत सहायकों द्वारा किया जा रहा है। इसमें 31 मई तक 29243 परिवारों के फैमिली आईडी के आवेदन पंचायत सहायकों द्वारा कराये गये थे। जोकि लक्ष्य के सापेक्ष कम है। इस सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने 20 से 26 मई तक समस्त विकास खण्ड के खराब प्रगति के 20 ग्राम पंचायतों पंचायत सहायकों की विकास खण्ड स्तर पर समीक्षा बैठक की थी। बैठक के उपरान्त 29 मई तक विकास खण्ड नौहझील में सर्वाधिक प्रगति 235 आवेदन की रही। विकास खण्ड बलदेव, चौमुंहा एवं मथुरा में क्रमशः 63, 86 एवं 63 की प्रगति रही। खराब प्रगति के मुख्य विकास अधिकारी ने प्रत्येक विकास खण्ड के 20 न्यूनतम प्रगति वाली ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायक के साथ सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) व खण्ड विकास अधिकारी की वर्चुअल समीक्षा बैठक जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ की। बैठक में विकास खण्ड मांट की ग्राम पंचायत जहांगीरपुर में अब तक 21 प्रतिशत की प्रगति, बेगमपुर बांगर में 31 प्रतिशत की प्रगति, इरौलीगूजर बांगर में अब तक 39 की प्रगति, मिरताना में 39 की

प्रत्येक ब्लॉक के 20-20 गांव के पंचायत सहायकों को तेजी लाने के दिए निर्देश

डीपीआरओ ने कम प्रगति वाले पंचायत सहायक का मानदेय रोका

प्रगति पर पंचायत सहायकों को निर्देशित किया गया कि घर-घर जाकर सर्वे कर प्रत्येक परिवार जिसका राशन कार्ड नहीं बना है की फैमिली आईडी का आवेदन कराना सुनिश्चित करे। विकास खण्ड नन्दगांव के ग्राम पंचायत खिटाविटा में खराब प्रगति मात्र 2 आवेदन पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) ने बताया कि पंचायत सहायक कार्य नहीं कर रहे है। उनको नोटिस दिए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत की बैठक के कार्य न करने के कारण इनकी अनुबन्ध समाप्ति पर नियमानुसार विचार कर कार्यवाही कर अवगत करायें। उन्होंने समस्त पंचायत सहायकों को निर्देशित किया गया कि वे 9 जून तक घर-घर सर्वे का कार्य पूर्ण कर शतप्रतिशत फैमिली आईडी बनाना सुनिश्चित करें। जिला पंचायत राज अधिकारी की समीक्षा बैठक के उपरान्त जिन पंचायत सहायकों की 22 से 30 मई तक की प्रगति प्रतिदिन 05 फैमिली आईडी के औसत में नहीं रही है। उनका इस अवधि का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोकने के आदेश दिए। साथ ही 9 जून तक प्रगति नहीं होने पर उक्त अवधि का मानदेय निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

होटल कर्मचारी के साथ लूट

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 स्थित होटल मैरी इन के कर्मचारी के साथ दो अज्ञात बाइक सवारों ने लूट की घटना को अंजाम दे दिया। पीड़ित अनिल पुत्र विजेंद्र निवासी काशी का नगला थाना गोवर्धन हाल निवासी मील नगर कोसीकलां मैरी इन होटल पर कार्य करते हैं। रात्रि करीब एक बजे होटल से काम करके अपने घर कोसीकलां जा रहे थे। रास्ते में तिरुपति धर्म कांटा के पास स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्ति कर्मचारी को तमंचा दिखाकर मोटरसाइकिल व मोबाइल को छीनकर भाग गए। होटल कर्मचारी ने डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने होटल कर्मचारी से जानकारी ली। थाना प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा ने बताया कि होटल कर्मचारी अनिल द्वारा लूट की सूचना दी गई थी। तहरीर प्राप्त होने पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जाएगी।

"बोलती तस्वीर"

वाह भई वाह... कार को धक्का

कहते है कि तिनके का सहारा ही बहुत बड़ा होता है। ऐसा ही कुछ सिविल लाइंस रोड पर देखने को मिला। किसी कारण से खराब हुई कार में पैर से धक्का लगाते एक बाइक सवार व दूसरा ऑटो चालक। छाया-प्रदीप कांत मिश्रा।

भू-जल दोहन करने के लिए कराएं पंजीकरण

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबन्धन और विनियमन) अधिनियम 2019 के अन्तर्गत जनपद में भूमिगत जल संरक्षित, नियंत्रित करने एवं भूमिगत जल का सतत प्रबन्धन सुनिश्चित करने के लिए भूजल संकट ग्रस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भूजल संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया गया है। औद्योगिक, वाणिज्यिक, अवसंरचनात्मक और सामूहिक उपयोगकर्ताओं को भूजल निष्कर्षण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र/पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। अतः ऐसे उपभोक्ता भू जल का दोहन कर रहे हैं, वे अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। उन्होंने बताया कि जनपद में समस्त

सभी दोहन कर्ता फर्मों को जारी किए नोटिस

औद्योगिक, वाणिज्यिक, अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और सामूहिक उपयोगकर्ताओं यथा आरओ प्लांट, कार वॉशिंग सेंटर, होटलों, लॉजों, रिसोर्ट, निजी चिकित्सालयों, परिचर्चा गृहों, कारोबार प्रक्षेत्रों, माल्स, वॉटर पार्क आदि महित मौजूदा एवं प्रस्तावित भूजल उपयोगकर्ताओं को इस नोटिस दिए गए हैं, जो पंजीकरण नहीं कराएंगे, उनसे 2 लाख से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना और 06 माह से 01 वर्ष तक के कारावास के साथ दण्डित किए जा सकने का प्रावधान अथवा दोनों दण्ड निर्धारित किये गए हैं।

पट्टे की दुकानें बेचने पर तीन दुकानदारों को भेजा नोटिस

यूनिक समय, मथुरा। अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम द्वारा आज से पांच दशक पहले बलदेव में बनाई गई उन दुकानों में से तीन दुकानों को लाभार्थियों ने बेच दिया। इस प्रकरण को समाज कल्याण विभाग ने गंभीरता से लिया है। निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिलों से ऐसे पट्टों की जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब इन दुकान के पट्टेधारियों को जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल ने नोटिस जारी किया है। बता दें कि आज से पचास साल पहले जनपद के शहरी क्षेत्रों में 200 दुकानें इस उद्देश्य से बनाई गई कि जो बेरोजगार अनुसूचित जाति के हैं वे अपना व्यवसाय करके अपने कस्बों में रोजगार करके अपना व परिवार का पालन कर सकें। जिसके तहत बलदेव, महावन, बरसाना, छाता सहित कई कस्बों में ये दुकानें बनी थीं। बलदेव कस्बे में अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम द्वारा बनाई गई दुकान संख्या चार, पांच, छह के पट्टे धारक ने अपनी दुकान को दूसरे व्यक्तियों को बेच दिया। जब इसकी शिकायत हुई तो जिलाधिकारी ने इसकी जांच कराई। जिसमें पट्टे की दुकान बेचने के आरोप सही मिले। जिस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल ने इन तीनों दुकान स्वामियों को नोटिस जारी करके शीघ्र जबाव मांगा है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में ऋण लेने को आए 136 आवेदन

मथुरा ब्लॉक परिसर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत लगाए शिविर में आवेदन करते युवक-युवतियां।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी अभियान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास जिसके लॉन्च होते ही विकास का एक अलग ही इतिहास रचा है। मथुरा ब्लॉक में एक सप्ताह के बाद आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के कैंप का समापन हुआ। इसमें लगभग 136 ऋण आवेदन आए। जिला उद्योग अधिकारी ब्रजेन्द्र कुमार ने बताया कि यह योजना युवाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना में 5 लाख तक के उद्योग सेवा परियोजनाओं पर हंड्रेड परसेंट ब्याज मुक्त एवं बिना गारंटी के ऋण सरकार उपलब्ध करा रही है। जिसमें 10 परसेंट मार्जिन मनी का भी अनुदान सरकार की तरफ से युवा उद्यमी को दिया जाएगा। इस योजना में 300+ प्रोजेक्ट को शामिल किया गया है। इसके साथ सर्विस सेक्टर और फ्रेंचाइजी सेक्टर भी इसमें सम्मिलित है। सरकार का

बेरोजगार युवाओं के लिए वरदान है योजना : ब्रजेंद्र कुमार

मथुरा ब्लॉक में लगाया गया था शिविर

मानना है कि आप किसी भी बिजनेस में जहां पर अपनी वैल्यू या अंश समाहित करते हैं तो उसे उद्योग पर सरकार आपको बिना ब्याज और बिना गारंटर का ऋण उपलब्ध कराएगी जो आप 4 वर्ष के अंदर मासिक किस्तों के रूप में भर सकते हैं। इस अभियान में फूड प्रोसेसिंग एग्री फूड प्रोसेसिंग सहित रिन्यूएबल एनर्जी को भी शामिल किया गया है। यदि आप इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं तो जिला उद्योग विकास केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं।

कदंब पथ योजना के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ कल से

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा-वृंदावन मार्ग पर वर्ष 2023 में तत्कालीन डीएम पुलकित खरे के नेतृत्व में प्रारंभ की गई कदंब पथ योजना के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून को किया जाएगा। कदंब पथ योजना के सहभागी मां ध्यानमूर्ति सत्संग सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम शास्त्री ने बताया कि मंदिरों की नगरी वृंदावन आने वाले देश विदेश के श्रद्धालु व पर्यटकों को हरितमा युक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य मथुरा वृंदावन मार्ग पर वर्ष 2023 में बहुप्रतीक्षित कदंब पथ योजना का शुभारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत सैकड़ों कदंब के पेड़ रोपित किए गए। उन्होंने बताया कि इस

मां ध्यानमूर्ति सत्संग सेवा संस्थान के सचिव डॉ हरिओम शास्त्री। साथ में महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज एवं अमित गौतम एडवोकेट आदि।

योजना के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून को शाम 4 बजे मथुरा मार्ग स्थित श्रीकृष्ण गौशाला से किया जाएगा। महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने बताया कि कदंब पथ के माध्यम से पुनः 400 कदंब के पेड़ मथुरा वृंदावन मार्ग पर रोपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले योजना के अंतर्गत लगाई गई लोहे के टी गार्ड को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उखाड़ कर ले जाया गया। जिसके चलते एक बड़ी संख्या में कदंब के पेड़ नष्ट हो गए। इसको देखते हुए इस बार पेड़ों के रखरखाव के लिए सीमेंटट टीगार्ड लगवाए जा रहे है। अमित गौतम एडवोकेट ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलजुल कर कार्य करना होगा।

कदंब पथ योजना को सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। निश्चित रूप से आने वाले दिनों में मथुरा वृंदावन मार्ग कदंब वृक्षों से परिपूर्ण नजर आऐगा। इस अवसर पर दीनू पंडित तथा आशीष चौहान आदि उपस्थित थे।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर का समर्थन, समय की मांग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कृष्ण विहार कॉलोनी के पार्क में वृंदावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के समर्थन में आहूत बैठक में सर्वोच्च न्यायालय एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बांके बिहारी कॉरिडोर बनाए जाने का समर्थन किया गया। बैठक में मंदिर के सेवायतों के हितों का सरकार से ध्यान रखने की अपील की गई। नगर निगम की पार्षद रेनू तिलक वीर चौधरी ने कहा कि ठाकुर बांके बिहारी कॉरिडोर बनाया जाना समय की मांग है। इससे यहां पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सभी

मथुरा में कृष्ण विहार कॉलोनी के पार्क में बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर के समर्थन में आए पार्षद एवं क्षेत्रीय लोग।

ब्रजवासियों को आए दिन आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी। ब्रज की सुंदरता बढ़ाने को एक अच्छा कदम है। पार्षद निरंजन कुंतल, पार्षद कुलदीप पाठक, पार्षद मुन्ना मालिक, पार्षद राकेश यादव, पार्षद मनोज धनगर,

लेकिन मंदिर सेवायतों का भी ख्याल रखने की मांग

राजवीर सिंह, सौदान सिंह, भूपेंद्र सिंह, सतवीर शर्मा, वैभव गुप्ता, हेमा त्रिपाठी, सीमा सक्सेना, ममता चौधरी, रानू गौतम एवं शिखा ने विचार व्यक्त किए। पूर्व पार्षद भाजपा नेता तिलक वीर चौधरी ने सभी के विचारो का समर्थन किया। सरकार से हर संभव मदद कॉरिडोर बनाने एवं सेवायतों का समस्या हल करने के लिए मांग की गई।

स्व. श्री किशोर चंद्र अग्रवाल

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्यनीय पिताजी श्री किशोर चंद्र अग्रवाल सर्राफ का गोलोकवास दिनांक 01.06.2025 को हो गया है। उठावनी दिनांक 04.06.2025 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरूषों की सायं 4 से 5 बजे अग्रवाटिका सरस्वती कुण्ड, मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

श्रीमती सरला अग्रवाल (धर्मपत्नी)

मीनू-गिरधारी जी, रुचि-मितेश जी (पुत्री-दामाद)
शिवांगी-संकल्प जी, जूही-अनुतोष जी (धेवती-धेवतीदामाद)
दिव्यांशी, कविशा, मनन (धेवती, धेवते)

मनीष-रश्मि (पुत्र-पुत्रवधू)
यश-शिप्रा (पौत्र-पौत्रवधू)
मेधा-डॉ. रजत जी (पौत्री-पौत्रीदामाद)
श्रुति (पौत्री)
ज्यांशु (प्रपौत्र)

फर्मः- जय बजरंग एम्पोरियम, चौक बाजार, मथुरा
श्री हरि सेरामिक, सौंख रोड, मथुरा 9319902927, 9971910688

ससुराल पक्ष - हरिशंकर जी, ओम प्रकाश, कन्हैया लाल, महेंद्र कुमार, गिरिराज अग्रवाल (मुम्बई)

मथुरा रिफाइनरी ऑफिसर्स क्लब में डिवाइन संस्कार समर कैंप

बच्चों ने सीखे बहुआयामी व्यक्तित्व विकास के गुर

आसन, प्राणायाम, हास्य योगा, राजयोग मेडिटेशन से हुए रूबरू

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी नगर में ऑफिसर्स क्लब और ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय डिवाइन संस्कार समर कैंप का आयोजन हुआ। इसमें रिफाइनरी नगर के लगभग 100 से अधिक बच्चों ने सहभागिता की। समर कैंप का उद्देश्य विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से नैतिक मूल्यों का विकास करना था। जिससे बच्चों में आपसी सहयोग, प्रेम, दया, करुणा, आत्मविश्वास जैसे गुणों का बीज रोपित किया जा सके। इसके साथ ही बच्चों को योग की विविध विधाओं से भी अवगत कराया गया। बच्चों के शारीरिक व्यायाम हेतु पतंजलि योग समिति से योगाचार्य देशराज, हास्य योग्य प्रशिक्षक आरबी अग्रवाल, राजयोग मेडिटेशन के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था से राजयोगिनी बीके कृष्णा दीदी

समर कैंप में हुई प्रतियोगिता की विजेता एक छात्रा को पुरस्कृत करते रिफाइनरी व ब्रह्मकुमारी संस्था के पदाधिकारी।

ने बच्चों को प्रशिक्षित किया। दैनिक खानपान और कार्य व्यवहार में अत्यंत उपयोगी पहलुओं पर विषय विशेषज्ञ प्रमोद वर्मा ने प्रकाश डाला। ललित कला अकादमी से सम्मानित छायाकार अनिल सोनी ने बच्चों को पेंटिंग और चित्रकला की बारीकियां समझाई। समर कैंप का मुख्य आकर्षण फैंसी ड्रेस कंपटीशन रहा। इसका थीम था, हमारे राष्ट्रीय नायक और पौराणिक पात्र। विविध मनमोहक परिधानों में सजे रानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, मीराबाई, श्री राधा रानी, श्री गणेश, श्री कृष्णा और श्री राम आदि पात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त स्पीच स्पर्धा, वेस्ट टू बेस्ट, वैल्यू गेम, जीके क्विज आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थानीय सेवा केंद्र प्रशासिका राजयोगिनी बी के कृष्णा दीदी, चीफ मैनेजर टेक्निकल एच यस रुखियार, जीएम गोपीनाथ, जी एम ट्रेनिंग डीसी वर्मा, ऑफिसर एसोसिएशन से संदीप खरबंदा, मुदिता शर्मा, ऑफिसर क्लब से रेखा टांक एवं वंदना खरबन्दा आदि उपस्थित थे।

द्वारिकापुरी क्षेत्र में व्यापारियों का संगठन बना

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की हुई बैठक की अध्यक्षता विनोद दीक्षित ने की। संचालन नेत्रपाल सिंह ने किया। बैठक में नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रत्येक बोर्ड में अपने संगठन को खड़ा करना है, जिसमें व्यापारियों को जोड़ा जा रहा है। आज इसी क्रम में द्वारकापुरी क्षेत्र के व्यापारियों के साथ बैठक कर संगठन की कार्यकारिणी बनाई गई है। नगर महामंत्री शशि भानु गर्ग ने कहा कि व्यापारी के हित में हमारा संगठन काम कर रहा है। आज यहां पर नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस क्षेत्र में आजादी के बाद पहली बार किसी व्यापार संगठन का गठन हुआ है। नगर उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री ने कहा स्थानीय स्तर पर संगठन का विस्तार हुआ है। नगर अध्यक्ष सुनील सुनील अग्रवाल ने नगर महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल के साथ बीएसए क्षेत्र की नई कार्यकारिणी में संरक्षक दिनेश चौधरी, संरक्षक अशोक अग्रवाल, संरक्षण सोनू यादव, नवीन अग्रवाल अध्यक्ष, महामंत्री रविन्द्र गौतम, मंत्री हेमंत अग्रवाल, 11 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए। बैठक में विकास जिंदल , लोकेश तायल, जगदीश प्रसाद गोला, मनोज कुमार लोधी, निर्दोष सोनी, हितेश अग्रवाल, संजय शर्मा, विपुल, कपिल अग्रवाल, अमित खंडेलवाल, ऋषभ कुमार शर्मा, बांके बिहारी गुप्ता, विनीत अग्रवाल, निलेश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल तथा हिरदेश आदि शामिल थे।

शहर की सफाई को लेकर नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

शहर में निरीक्षण करते नगर आयुक्त जग प्रवेश अपनी टीम के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी को स्वच्छ बनाने के लिए नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अपनी नगर निगम की टीम के साथ मंगलवार को शहर के नाले-नालियों की सफाई, शौचालयों एवं डलाव घरों और पैच वर्क विभिन्न समस्याओं को लेकर निरीक्षण किया। तड़के नगर आयुक्त ने सिविल लाइन, द्वारिकापुरी, बीएस पुलिया व अन्य क्षेत्र में जाकर अंडरग्राउंड डस्टबिन का निरीक्षण कर संबधित संस्था को चेतावनी देते हुए कहा कि समय से डस्टबिनों को संचालित किया जाए, सदर क्षेत्र के मलियान मोहल्ले का निरीक्षण कर

कमी पाने पर जलकल विभाग के अभियंता को दिया नोटिस

पंपिंग स्टेशन को अच्छी तरह से चलाया जाए।

इस लापरवाही को देखते हुए नगर आयुक्त ने जलकल विभाग के अवर अभियंता को नोटिस जारी करने की कार्यवाही की। निरीक्षण के दौरान पार्षद संजय अग्रवाल, तिलकवीर चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग एवं अभिलाष सांगवान आदि उपस्थित थे।

गर्मी ने बढ़ा दी इलेक्ट्रिशियनों की फीस

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी के सीजन में दुकानों पर काम कर रहे निजी इलेक्ट्रिशियनों की दुकान पर घर जाकर कूलर, पंखे, एसी ठीक करने वाले लड़को की काफी डिमांड बढ़ने से यह मुंह मांगे रुपये वसूल रहे हैं।

डॉक्टरों की तरह अब लग रहे हैं नंबर

गांव हो या शहर हो ऐसे इलेक्ट्रिशियन अपनी बल्ले-बल्ले करते नजर आ रहे हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि इनको इतना अधिक काम मिल रहा है कि समय से ग्राहकों के पास भी नहीं पहुंच पा रहे है। तापमान इतना बढ़ जाता है कि भीषण गर्मी से कूलर, पंखे, एसी तक में फॉल्ट हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में कुछ ज्यादा बिजली जैसी समस्या ज्यादा हो रही है। सब काम छोड़कर लोग इलेक्ट्रिशियन को तलाशना शुरू कर देते है। इलेक्ट्रिशियन की इतनी डिमांड बढ़ गयी है कि कई-कई घंटों तक नहीं आ पाते है। गर्मी के मौसम में डॉक्टरों की तरह इनके भी नंबर लगाए जाते हैं। ऐसा देखा जा रहा है, कि बढ़ती डिमांड के कारण इलेक्ट्रिशियनों ने अपनी सर्विस फीस भी दोगुनी कर दी है।

भारत स्काउट गाइड संस्था ने लगाई प्याऊ

यूनिक समय, मथुरा। भारत स्काउट गाइड जिला संस्था ने गर्मियों को देखते हुए शहर के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क शीतल जल प्याऊ लगाई। जंक्शन पर लगाई गई प्याऊ का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर शासकीय स्थायी अधिवक्ता संजय मिश्रा ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. विपिन कठेरिया, रामगोपाल काका, एन.पी. सिंह, मनमोहन सिंह एवं डॉ कमल कौशिक आदि ने प्रयास को सराहा।

राजीव एकेडमी के विद्यार्थियों का एच.डी.बी. फाइनेंस में चयन

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के बीबीए और बी.कॉम के छात्रों ने अपनी मेहनत और कौशल से प्रतिष्ठित एच.डी.बी. फाइनेंस कम्पनी में उच्च वेतनमान पर नौकरी पाने में सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि उनके अभिभावकों के लिए गर्व का विषय बनी है। एच.डी.बी. फाइनेंस कम्पनी ने हाल ही में राजीव एकेडमी में तीन चरणों में कैम्पस प्लेसमेंट प्रक्रिया आयोजित की। इसमें लिखित परीक्षा, आईक्यू टेस्ट और साक्षात्कार के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया। नौकरी पाने वाले छात्रों में अमित चौधरी, अंश

कैम्पस प्लेसमेंट के बाद बीबीए तथा बीईकॉम के छात्र-छात्राएं।

सक्सेना, गुनगुन शर्मा, हर्षित दीक्षित, खुशी रावत, सनी, यश गोस्वामी, योगेश सिंह, शिवम शर्मा आदि शामिल हैं।

एच.डी.बी. फाइनेंस लिमिटेड, जो एचडीएफसी बैंक की सहायक कम्पनी है, भारत के प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों में से एक है। यह कम्पनी व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, गृह ऋण, शिक्षा ऋण और अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कम्पनी का मुख्यालय मुंबई में स्थित है और यह 691 से अधिक शहरों में 1,100 से अधिक शाखाओं के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करती है। आरके ग्रुप ऑफ एज्यूकेशन के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि फाइनेंस क्षेत्र में योग्य और मेहनती युवाओं की मांग बढ़ रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने से छात्रों को उज्जवल भविष्य की दिशा मिलती है। उन्होंने छात्रों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। यह सफलता राजीव एकेडमी की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रणाली और प्रशिक्षित शिक्षकगण के मार्गदर्शन का परिणाम है। संस्थान का उद्देश्य प्रत्येक छात्र-छात्रा के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

नाम परिवर्तन

मैं विनोद चतुर्वेदी पुत्र श्री रामनाथ चतुर्वेदी (रामजी) 20 गूजर हट्टा मथुरा का स्थाई निवासी हूं मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम विनोद तथा पिताजी का नाम Ramji दर्ज है जोकि गलत है जबकि हाइस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम विनोद चतुर्वेदी तथा पिताजी का नाम रामनाथ चतुर्वेदी (रामजी) दर्ज है जोकि सत्य है। अब से भविष्य में विनोद चतुर्वेदी पुत्र रामनाथ चतुर्वेदी (रामजी) के नाम से जाना जाए।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री का जन्म दिनांक 18.10.2016 को वर्मा हॉस्पिटल मथुरा, में हुआ है जिसका मेरे द्वारा नगर निगम मथुरा वृन्दावन से जोया के नाम से जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया था मैंने अपनी पुत्री का नाम जोया से बदलकर रिया रख लिया है भविष्य में उसे रिया पुत्री सिंधी के नाम से जाना व पहचाना जायेगा। सिंधी पुत्र इदरीश निवासी-मथुरा दरवाजा वृन्दावन।

बांके बिहारी की सेवार्थ भक्त करते रहे हैं निजी संपत्तियों का दान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। जन जन के आराध्य भगवान बांके बिहारी महाराज के प्राक्ट्यकाल से ही उनकी सेवार्थ उनके अनेक भक्त अत्यंत सहजता से अपनी निजी चल–अचल सम्पत्तियों का दान करते रहे हैं। लगभग पाँच शताब्दियों के दौरान बहुत से भक्तों ने तमाम वेशकीमती सम्पत्तियों को उपहार, भेंट अथवा दान स्वरूप देकर आराध्य की अदभुत सेवा करने के साथ ही साथ अपना नाम ईश्वर सेवा के इतिहास में सदैव के लिये अंकित कर दिया। प्रभु सेवार्थ प्राप्त इन दान

की वस्तुओं में से बहुत सी धरोहर तो मौजूद हैं लेकिन अधिकांश गुम प्रायः हैं। ठाकुरजी के सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद वल्लभ गोस्वामी का कहना है कि ठाकुर बांके बिहारी की नई पुरानी सभी सम्पतियों के उचित संरक्षण की आवश्यकता है। इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के मुताबिक इस संदर्भ में सबसे रोचक तथ्य ये है कि अकबर के फरमानों के आधार पर ब्रज वृन्दावन में विराजित प्रायः सभी आराध्यदेवों की सेवार्थ उनके सेवायतों को प्राप्त हुईं लगभग सभी सम्पत्तियों का लेखाजोखा तो सरकारी स्तर पर दर्ज है, किन्तु बिहारीजी की सेवा हेतु स्वामी हरिदास महाराज को मिली 25 बीघा भूमि का कोई प्रामाणिक साक्ष्य भू राजस्व विभाग के पास मौजूद नहीं बताया जाता।

साइकिल चलाइए और स्वस्थ्य रहिए

सुबह साइकिल चलाकर लोग करते हैं कसरत

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिंदगी के लिए साइकिल कितनी जरूरी है, यह बात उन लोगों के लिए पूछिए, जो अब हर रोज साइकिल चलाते हैं। साइकिल से कई किलोमीटर तक चलते हैं। पिछली सपा सरकार ने तो वृंदावन और मथुरा में साइकिल पथ भी बनाए थे। इन साइकिल पथों पर लोग आराम से साइकिल चलाएं, लेकिन हर रोज यह साइकिल पथ खाली नजर आते हैं। साइकिल पथों को हरियाली ने घेर लिया है। साइकिल दिवस आज बीत गया। मीडिया में इसकी थोड़ी से चर्चा हुई, लेकिन साइकिल दिवस को लेकर कोई बड़ा आयोजन नहीं किया गया, जिससे लोगों को पता चल सके कि साइकिल जिंदगी में कितनी महत्वपूर्ण है। आज के समय में सुबह–सुबह कुछ लोगों को साइकिल की यात्रा करते देखा जा सकता है। वह एक दो किलो मीटर तक साइकिल से चलते हैं।

फिर शरीर में हल्का पन महसूस करते हैं। लोगों का कहना है कि रोजाना साइकिल चलाने से घुटने एवं कमर के दर्द में फायदा मिलता है। ऐसी बात नहीं अब तो डॉक्टर्स भी रोगियों को साइकिल चलाने की सलाह देने लगे हैं। वैसे अधिकांश कामों के लिए दो पहिया वाहन का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीण अंचल के लोगों में अभी भी साइकिल चलाने का शौक है, लेकिन शहर के बच्चे थोड़े बड़े हुए तो उनके हाथ स्कूटी दिखाई देती है।

संविधान की पूजा कर गोस्वामियों ने मांगा न्याय

संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने के विरोध में मंदिर सेवायतों ने मंदिर द्वार पर संविधान की पूजा कर न्याय की मांग उठाई। करीब दस मिनट चली इस विशेष पूजा में गोस्वामियों ने संविधान की किताब रखी। उसकी पूजा कर संविधान के हिसाब से न्याय मांगा।

प्रेम मंदिर कल भी बंद रहेगा

यूनिक समय, वृंदावन। विश्व प्रसिद्ध प्रेम मंदिर सार्वजनिक रूप से दो दिन के लिए बंद किया गया है। मंदिर द्वारा सूचना जारी की गई है कि 3 से 4 जून शाम 4:30 बजे तक मंदिर बंद रहेगा। बंद रखने के पीछे की वजह भगवान की विशिष्ट अंतरंग सेवा बताई गई है।

Accredited by: INS INDIA NEWSPAPER SOCIETY
UNICOM ADVERTISING
Unicom Digital
Digital Marketing Company
यूनिक समय
हर खबर समय पर...
Info@unicomadvertising.com | Unicomadvertising.com 9837155888, 9837115157
MATHURA | NEW DELHI | AGRA | LUCKNOW | NOIDA | DEHRADUN

सुविचार

हर दिन एक नई शुरुआत है, बीते हुए को छोड़ो और आगे बढ़ो।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	09:56-11:54 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तराफाल्गुनी	12:58-03:35 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	01:14 PM
सूर्यास्त		7:07 PM	चंद्रास्त	01:31 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	12:17PM–02:00PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

संस्कारों से भरी गरुड़ पुराण की ये बातें

जीने का सिखाती है सही तरीका

यूनिक समय, मथुरा। गरुड़ पुराण हिंदू धर्म के अठारह पुराणों में से एक है, इसमें जीवन, मृत्यु और आत्मा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यताओं के अनुसार, यह पुराण भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के बीच का संवाद है, जिसमें विशेषतौर पर मृत्यु के बाद के सच का वर्णन किया गया है। गरुड़ पुराण में कर्म और भक्ति से जुड़ी शिक्षाएं भी दी गई हैं, जो मनुष्य के जीवन को सही रास्ता दिखा सकती है। इस पुराण में बताया गया सच मनुष्य को मृत्यु के बाद के भयानक संसार की सच्चाई से साक्षातकार करा देता है।

गरुड़ पुराण में हमें कर्म, भक्ति और सही आचरण के बारे में महत्वपूर्ण बातों का विस्तार से वर्णन मिलता है। ये बातें हमारे जीवन को सही दिशा में ले जाने में काफी मददगार साबित होती है। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक रूप से, बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।तो आइए भगवताचार्य पंडित राघवेंद्र शास्त्री से उन बातों के बारे में विस्तार से जानते हैं जो कि मनुष्य के जीवन में उसे सूझ–बूझदार व उन्नति के लिए काफी उपयोगी मानी जा सकती है। इससे आपको

जीवन में सफलताएं हासिल करने में मदद मिल सकती है।

सच्चाई का साथ दें : गरुड़ पुराण हमें सिखाता है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन सच्चाई के मार्ग पर चलने वाले की कभी हार नहीं होती है और सच्चाई का साथ देने से न केवल आत्मबल बढ़ता है बल्कि जीवन की उलझनें भी कम होती है।

अच्छे कर्म करें : गरुड़ पुराण के अनुसार हर कर्म का फल निश्चित है इसलिए सदैव सच के मार्ग पर चलें किसी का दिल न दुखाएं और अपने हर कर्म में ईमानदारी रखें, यही सच्चा धर्म है।

धन का अर्थ समझें : गरुड़ पुराण कहता है कि व्यक्ति द्वारा धन का सदुपयोग जीवन को स्वर्ग बना सकता है और दुरुपयोग नरक की ओर ले जाता है। धन का प्रयोग समाज सेवा, परोपकार और अच्छे कार्यों में करना ही शुभ होता है।

परिवार का महत्व : पारिवारिक रिश्ते केवल सामाजिक बंधन नहीं है बल्कि एक जुड़ाव होते हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार परिवार और रिश्तों में हमेशा सम्मान, प्रेम और सेवा बनाए रखनी चाहिए। ऐसा करने से ईश्वर प्रसन्न होते है।

कर्म और भक्ति : केवल भक्ति या केवल कर्म जीवन का संतुलन नहीं बना सकते। गरुड़ पुराण दोनों के बीच समानता की बात करता है। भक्ति से मन शांत होता है और कर्म से संसार चलता है इसलिए दोनों के बीच समानता बनाना जरूरी होता है।

आत्मा की पवित्रता : गरुड़ पुराण कहता है कि आत्मा की पवित्रता सबसे आवश्यक है।जिस व्यक्ति के विचार और बुद्धि पवित्र नहीं है उसके बाहर की सुंदरता भी किसी काम नहीं आती। मनुष्य के अच्छे कर्म और विचार ही सर्वश्रेष्ठ होते हैं।

माया से मुक्ति : गरुड़ पुराण में इस बात को चेतावनी के रूप में बताया गया है कि व्यक्ति को संसार के भौतिक आकर्षणों में उलझ कर आत्मज्ञान से दूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि ध्यान, साधना और आत्म–चिंतन ही मोक्ष का एकमात्र रास्ता है।

मृत्यु के बाद का जीवन : गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा और कर्मों के फल की विस्तृत चर्चा है। यह सिखाता है कि मृत्यु के बाद भी मनुष्य का कर्म उसका पीछा नहीं छोड़ता। इसलिए जीवन को ऐसे जिएं कि अंत समय में आपको पछताना ना पड़े।

घर में करें ये वास्तु बदलाव, तरक्की के खुलेंगे द्वार

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र प्राचीन एक भारतीय वास्तुकला का एक विज्ञान है, जो घर में ऊर्जा को बैलेंस करता है। अगर किसी स्थान का निर्माण वास्तु नियमों के अनुसार होता है, तो वहां रहने वाले लोगों के जीवन में सुख–शांति, स्वास्थ्य, धन और समृद्धि बनी रहती है। वहीं अगर वास्तु के नियमों का ध्यान न रखा जाए और उससे जुड़ी गलतियां घर में हों तो इसका नेगेटिव असर देखने को मिलता है। ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्री रवि पाराशर के अनुसार, कुछ आसान से वास्तु टिप्स अपनाकर आप अपने घर के वास्तु दोषों को दूर कर सकते हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। आइए जानते हैं उसके बारे में।

पौधों का उपयोग: घर के अंदर और बाहर हरे–भरे पौधे लगाएं। तुलसी का पौधा विशेष रूप से शुभ माना जाता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है।

साफ–सफाई: घर को हमेशा साफ–सुथरा और व्यवस्थित रखें। गंदगी और अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है।

पानी का स्रोत: अगर घर में फव्वारा या छोटा तालाब है, तो उसे उत्तर–पूर्व दिशा में रखें। इससे धन और सुख–शांति में वृद्धि होती है।

दीवारों का रंग: हल्के रंग जैसे नीला, हरा या पीला रंग मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ाते हैं। इन्हें घर की दीवारों पर प्रयोग करें।

रसोई की सही दिशा: रसोईघर दक्षिण–पूर्व दिशा में होना चाहिए। रसोई इस दिशा में होने से घर में प्रेम, खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है।

घर के बीच का हिस्सा साफ रखें: घर के बीच का हिस्सा, जिसे ब्रह्मस्थान कहा जाता है, हमेशा खुला और साफ–सुथरा होना चाहिए। क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है।

पढ़ाई और काम की जगह उत्तर या पूर्व में रखें: पढ़ाई की मेज या वर्क डेस्क को उत्तर या पूर्व दिशा में रखें। इससे एकाग्रता बढ़ती है और शिक्षा व करियर में सफलता मिलती है।

घर में उग गया है पीपल का पेड़ तो न करें अनदेखा

वरना बर्बाद हो जाएंगी घर की खुशियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदू धर्म में पीपल के पेड़ को बहुत पवित्र माना गया है। कहा जाता है कि पीपल के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शिव का वास होता है। शास्त्रों में इस पेड़ को लेकर कई नियम बताए गए हैं। ऐसे में वास्तु शास्त्र में आज आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए पीपल के पेड़ के बारे में। वैसे तो पीपल के पेड़ की पूजा की जाती है क्योंकि पीपल के पेड़ में सभी देवी–देवताओं का वास होता है। लेकिन पीपल के पेड़ का घर में होना वास्तु शास्त्र के अनुसार उचित नहीं माना जाता है। पीपल के पेड़ का घर में उगना बहुत अशुभ होता है। इसलिए पीपल के पेड़ को घर में नहीं उगने देना चाहिए और उग आये तो उसे उखाड़ देना चाहिए। आमतौर पर हम सभी लोगों ने देखा होगा कि कई बार घर की छत पर या किसी दीवार के सहारे पीपल का पेड़ निकल जाता है। फिर ऐसे में लोगों को समझ नहीं आती कि इस स्थिति में क्या किया जाए। अगर आपके घर में भी पीपल का पेड़ बार–बार उग जाता है तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आइए विस्तार से जानते हैं कि अगर घर में पीपल का पेड़ उग गया है तो उसे कैसे हटाएं ताकि कोई वास्तु दोष न लगे।

यदि आपके घर में पीपल का पेड़ उग गया है तो इसे थोड़ा बड़ा होने दें। उसके बाद इसे मिट्टी सहित खोदकर किसी दूसरी जगह पर लगा दें। पीपल का पेड़ घर में होने से परिवार के लोग तरक्की नहीं कर पाते और इसके होने से रोज नई समस्याओं का जन्म होता है। पीपल के पेड़ को काटना नहीं चाहिए ऐसा करना अशुभ माना जाता है। अगर किसी विशेष परिस्थिति में कटना पड़े तो उसकी पूजा करके रविवार को ही काटना चाहिए और किसी दिन नहीं काटना चाहिए।

अगर आपके घर में बार–बार पीपल का पेड़ उग जाता है तो ऐसे में आप 45 दिन तक पीपल के उस पौधे की पूजा करें और उस पर कच्चा दूध चढ़ाते रहें। फिर 45 दिन बाद पीपल के पौधे को जड़ समेत किसी दूसरे जगह पर लगा दें। ऐसा करने से वास्तु दोष भी नहीं लगेगा।

शोध में खुलासा: हनुमान चालीसा के पाठ से नहीं होगा हार्ट अटैक!

ब्लड प्रेशर–अनिद्रा से भी होगा बचाव

यूनिक समय, मथुरा। हनुमान चालीसा की महिमा अपरम्पार है। इसके जाप अथवा सुमिरन मात्र से ही व्यक्ति के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। कोई व्यक्ति यदि अपने घर में नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करता है तो उसे अनेकों समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।धार्मिक मान्यता के बाद अब विज्ञान भी इस बात को अपने शोध के आधार पर मानने लगा है। इसके सम्बन्ध में अनेकों प्रयोग भी किये गये हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

हनुमान चालीसा संकलन : हनुमान चालीसा में लगभग 40 छंद हैं। जिनमें

से अधिकतर अनुष्टुप छंद में लिखे गये हैं। यानि कि यह लयबद्ध, रिपिटेटिव और मेडिटेटिव हैं। ये छंद बीटा वेव से अल्फा वेव तक ब्रेन फ्रीक्वेंसी शिफ्ट करते हैं। जिससे इंसान के मन और मष्तिक को शांति की अनुभूति देती है।

नियमित जप से लाभ : रामदूत अतुलित बलधामा जैसे मंत्र का ज़ब हम नियमित रूप से जाप करते हैं तो इसका ध्वनि कंपन हमारे शरीर में कोर्टिसोल यानि स्ट्रेस हार्मोन को कम करता है और सेरोटोनिन-डोपामीन बढ़ता है। इससे हमारे शरीर का शांति तंत्र पैरासिंपेथेटिक सिस्टम सक्रिय हो जाता है। जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अध्ययन अनुसार मन्त्रों के उच्चारण से स्ट्रेस कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

नहीं होती हार्ट अटैक और अन्य बीमारी : आइसीएमआर और एम्स रिसर्च के अनुसार नित्य 10 मिनट तक हनुमान चालीसा का पाठ करने से हार्ट रेट कम करने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने एवं नींद में सुधार करने में मदद मिलती है। पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, इंजायटी और एडीएचडी डिसऑर्डर से भी राहत मिलती है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक : जर्नल ऑफ़ इवोल्यूशन ऑफ़ मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज में मीरा गोयल और उनके सहयोगियों के शोध के अनुसार 18 से 22 वर्ष की 20 एमबीबीएस छात्रा को 10 मिनट का हनुमान चालीसा संगीत सुनाया और उनके ब्लड प्रेशर में कमी पाई गई।

हनुमान चालीसा की धार्मिक मान्यता : पौराणिक मान्यता है कि हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करने से जीवन में संकट नहीं आते हैं। व्यक्ति अनावश्यक कलेश और बीमारी परेशानियों के अलावा सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों से बच जाता है। कलयुग में हनुमान जी सबसे सिद्ध और अमर देवता माने गये हैं। इनकी कृपा से ही इंसान को राम कृपा प्राप्त होती है।

विशेष अनुरोध

यदि आपके आसपास कोई घटना होती है या कोई कार्यक्रम जिसे आप अपने विश्वसनीय समाचार पत्र यूनिक समय में प्रकाशित कराना चाहते हैं तो देर न करें। इस मोबाइल नंबर पर प्रेषित करें

यूनिक समय का नया व्हाट्सअप नंबर 8394983366

सम्पादकीय

रेलवे अफसरों का ट्रेनों में सफर सराहनीय पहल

रेल यात्रा के दौरान आने वाली परेशानियों और शिकायतों को दूर करने के लिए रेलवे अफसरों के यात्रियों के साथ सफर करने की पहल स्वागत योग्य है। रेलवे ने अपने समस्त जोन को, जो निर्देश दिए हैं उसके मुताबिक रेलवे अफसर अब रेल कोच में यात्रियों के साथ सफर करेंगे। इसमें संदेह नहीं कि पिछले वर्षों में भारतीय रेलवे ने यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी के साथ–साथ वंदेभारत जैसी अधिक सुविधाजनक ट्रेनों का संचालन भी किया है। तेज रफ्तार वाली रेलगाड़ियों से यात्रियों का सफर भी आसान और समय की बचत करने वाला हुआ है। फिर भी यात्रियों को टिकट लेने से लेकर सफर के दौरान खान–पान की व्यवस्था तक की शिकायतें बनी रहती है। सोशल मीडिया पर यात्री अपनी परेशानियों का जिक्र करते भी रहते हैं।

पवन गौतम
संपादक

भारतीय रेलवे नेटवर्क दुनिया के विशाल नेटवर्क में से एक है। प्रतिदिन लाखों यात्री रेलवे में सफर करते हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के बाद स्टेशनों व ट्रेन कोच काफी साफ रहने लगे हैं। ऐसे में रेल यात्रियों की शिकायतें भी अपेक्षाकृत कम रहती हैं। फिर भी कभी एसी कोच का एसी काम नहीं करने, ट्रेनों में देरी व खान–पान दूषित होने को लेकर शिकायतें आती रहती है। आरक्षित श्रेणी के रेलवे कोच में तो यात्री अपनी परेशानियों का जिक्र वहां मौजूद टीटी से कर देते हैं लेकिन सामान्य श्रेणी में परेशानियों की सुनवाई में देर हो ही जाती है।

इसी तरह रेलवे कोच में शौचालय साफ–सुथरे न होने, चार्जिंग पाइंट काम नहीं करने, पानी की उपलब्धता आदि ऐसे विषय हैं जिनसे यात्री दो–चार हों तो काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खासतौर से उस वक्त जब सफर के दौरान छोटे–छोटे बच्चे भी साथ हों। रेलवे को टिकट आरक्षण को लेकर आने वाली परेशानियों के समाधान की दिशा में भी काम करना चाहिए। क्योंकि यह शिकायत रहती है कि तत्काल व सामान्य टिकट बुक कराते वक्त आईआरसीटीसी की वेबसाइट, मोबाइल एप व टिकट खिड़की तक परेशानी होती है। हालांकि रेलवे अपने ऑनलाइन टिकट सिस्टम पूरी तरह पारदर्शी बताता रहा है। यह सही है कि पीक सीजन में तत्काल टिकट के ऑनलाइन सिस्टम में काफी लोग ऑनलाइन टिकट के प्रयास में रहते हैं। ऐसे में सभी को टिकट उपलब्ध होना भी संभव नहीं। फिर भी रेलवे अधिकारी जब यात्रियों के साथ कोच में सफर करें तो उन्हें इस बात की पूछताछ भी करनी चाहिए कि ऑनलाइन टिकट आरक्षित कराते वक्त उन्हें किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उम्मीद की जानी चाहिए कि रेलवे अफसर यात्रियों के साथ कोच में सफर करेंगे तो यात्रियों की समस्याओं को नजदीकी से देख पाएंगे। लेकिन रेलवे का यह प्रयास सिर्फ कुछ दिनों का अभियान ही बनकर नहीं रह जाए, इसे भी सुनिश्चित करना होगा। सेवा व सुविधाओं की गुणवत्ता बनाए रखकर ही रेलवे का सफर और आसान हो सकेगा।

नजरिया

वैश्विक विस्मृति के शिकार तियानमेन चौक के शहीद

राकेश सैन

3–4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है।

वर्तमान युग लोकतंत्र का है, इस प्रणाली की लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है। यहां तक कि मजहबी राजनीतिक व्यवस्था वाले देश भी अपने नाम में किसी न किसी तरह लोकतंत्र शब्द को शामिल करके स्वयं को प्रगतिशील साबित करने का प्रयास करते हैं। पर आश्चर्य की बात है कि लोहावरणवादी कम्युनिस्ट व्यवस्था को जबरन ढो रही चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया।

इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई। एक वर्ग वो जो तीव्र परिवर्तन की मांग कर रहा था, तथा दूसरा वो कठोर राज्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता था। इस दौरान छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसमें भाग लेने वालों में वे लोग शामिल थे जो विदेश में रह चुके थे और नए विचारों तथा उच्च जीवन स्तर से परिचित थे। 1989 में अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन बढ़ गये। प्रदर्शनकारियों को एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हू याओबांग से प्रोत्साहन मिला, जिन्होंने कुछ आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की देखरेख की। दो वर्ष पहले राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया था। अप्रैल में हू की मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार के दिन हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कम सेंसरशिप की मांग की। अगले सप्ताहों में, प्रदर्शनकारी तियानमेन चौक पर एकत्र हुए, जिनकी अनुमानित संख्या दस लाख तक थी। तत्कालीक कम्युनिस्ट व्यवस्था ने इस दौरान न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों, विशेषकर छात्रों और श्रमिकों का निर्मम दमन किया गया, बल्कि करोड़ों चीनी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को भी रौंद दिया।

3–4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है। घटना वाले दिन बीजिंग की सडक़ों पर वह भयावह मंजर शुरू हुआ। चीनी सेना ने राजधानी में प्रवेश कर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 35–36 लोग मारे गए। लेकिन यह तो केवल शुरुआत थी। 4 जून की सुबह करीब 4 बजे, जब तियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में निहत्थे छात्र, नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग शांतिपूर्वक लोकतंत्र और पारदर्शिता की मांग को लेकर एकत्र थे, तब कम्युनिस्ट सरकार ने क्रूरतम रूप का प्रदर्शन किया। सरकार ने न सिर्फ टैंक और हथियारबंद जवानों को तियानमेन चौक पर भेजा, बल्कि लड़ाकू विमानों तक की तैनाती की। बिना किसी चेतावनी के गोलियां बरसाई गईं। निर्दोष लोगों को कुचला गया, दौड़ते बच्चों को निशाना बनाया गया, और चौक को रक्तरंजित कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ एक नरसंहार नहीं बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की भावना पर एक संगठित, राज्य–प्रायोजित प्रहार था। बीजिंग की सडक़ों पर मानव रक्त की नदियाँ बह रही थीं। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं था, बल्कि एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन के खिलाफ राज्य द्वारा चलाया गया सुनियोजित नरसंहार था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने छात्रों और नागरिकों की शांतिपूर्ण मांगों का उत्तर टैंकों और गोलियों से दिया। रात के अंधेरे में बीजिंग की सडक़ों पर टैंक गर्जना करने लगे और कुछ ही घंटों में लगभग 10,000 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। चीनी सरकार अनुसार, दो सौ लोग मरे और तीन हजार घायल हुए। तियानमेन नरसंहार को लेकर वर्षों तक चीन सरकार ने मृत्यु संख्या को लेकर पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी, लेकिन समय के साथ कुछ अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज सामने आए, जिन्होंने इस भयावह घटना की असली तस्वीर उजागर की। चीन में तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत एलन डॉनल्ड ने 1989 में लंदन भेजे अपने एक गोपनीय टेलीग्राम में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 10,000 लोगों की मृत्यु हुई। यह टेलीग्राम घटना के 28 वर्षों बाद सार्वजनिक हुआ। हांगकांग बैप्टिस्ट विश्वविद्यालय में चीनी इतिहास, भाषा और संस्कृति के विशेषज्ञ ज्यां पिए कबेस्टन ने भी इस टेलीग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'ब्रिटिश राजनयिकों द्वारा भेजे गए आँकड़े हैं और इन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।' प्रसिद्ध चीनी लेखक और सामाजिक आलोचक लियाओ इयवु ने तियानमेन नरसंहार को लेकर अपनी लेखनी के माध्यम से चीनी सत्ता की क्रूरता को बेनकाब किया है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि चीन अब पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। 'बॉल्स ऑफ ओपियम' नामक अपनी पुस्तक में, जो विशेष रूप से तियानमेन चौक की घटना पर आधारित है, उन्होंने लिखा, 'लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हजारों लोगों को सेना ने निर्ममता से कुचल दिया।' यह पुस्तक न केवल चीन में प्रतिबंधित कर दी गई, बल्कि लियाओ को इस विचारधारा के खिलाफ बोलने के कारण जेल, गुप्त निगरानी और अंततः निर्वासन तक का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद भी चीनी सरकार ने दमनात्मक रवैया छोड़ा नहीं बल्कि अत्याचारों की सारी सीमाएं लांघ दी। 6 जून नरसंहार के तुरंत बाद चीन में स्थित विदेशी दूतावासों ने अपने–अपने नागरिकों को सुरक्षा कारणों से देश छोडऩे के निर्देश जारी किए ताकि इस घटना पर पर्दा डाला जा सके। 16 जून को आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं की व्यापक गिरफ्तारी शुरू हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े 1000 से अधिक छात्र नेताओं को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। अगले दिन 17 जून बीजिंग में 8 नागरिकों को मृत्युदंड दिया गया। 20 जून को चीन ने सभी ट्रैवल वीजा पर रोक लगा दी। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि कोई भी आंदोलनकारी देश छोडक़र अंतर्राष्ट्रीय समर्थन न प्राप्त कर सके, और विरोध की आवाज को सीमा के भीतर ही दबा दिया जाए।

वैसे तियानमेन नरसंहार वामपंथी विचारधारा के चरित्र का कोई अपवाद नहीं, बल्कि उसकी सतत अमानवीय प्रवृत्तियों की ही एक कड़ी है। इतिहास के पन्ने पलटने पर स्पष्ट होता है कि वामपंथी अधिनायकवाद का पूरा इतिहास ऐसे ही संविधान–विरोधी अत्याचारों और दमन की घटनाओं से अटा पड़ा है। लेनिन के नेतृत्व में 'बोल्शेविक क्रांति' के बाद लाखों विरोधियों का दमन, स्टालिन के 'ग्रेट पर्ज' के दौरान अनुमानित दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्या, और माओत्से तुंग के 'ग्रेट लीप फारवर्ड' और 'कल्चरल रेवेल्यूशन' में करोड़ों लोगों की मौतें, यह दिखाती हैं कि वामपंथी शासन अक्सर आलोचना और विरोध को कुचलने के लिए नरसंहार और दमन को ही नीति का रूप दे देता है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि भारत के वामपंथी विचारक और संगठन भी उन्हीं वैश्विक व्यक्तित्वों लेनिन, माओ और स्टालिन से वैचारिक प्रेरणा लेते रहे हैं, जिनकी नीतियाँ अत्याचार, दमन और हिंसा से जुड़ी रही हैं। चाहे वह बंगाल और केरल की वामशासित सरकारों में राजनीतिक हिंसा का इतिहास हो, या फिर नक्सलवाद और अर्बन नक्सलिज्म के माध्यम से राज्यविरोधी हिंसक गतिविधियाँ, इन सबमें वामपंथी विचारधारा की भूमिका बार–बार सामने आती रही है।

भारत–चीन युद्ध के दौरान जैसे भारत के कम्युनिस्टों ने दुश्मन देश का समर्थन कर अपने चरित्र का प्रमाण दिया उसी तरह तियानमेन चौक नरसंहार पर भी उन्होंने चीन को मूक समर्थन दिया। 'टाइम्स आफ इण्डिया' में 16 जून, 1989 को प्रकाशित वी. आर. मणि के एक लेख 'लेफ्ट स्टैंड ऑन चाइना कन्फलिक्ट' में बताया गया कि '1989 में जब चीन के तियानमेन चौक पर लाखों छात्र लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने उन पर टैंकों और बंदूकों से अत्यंत निर्मम दमन किया। परंतु इस भीषण नरसंहार पर भारतीय वामपंथी दलों, विशेष रूप से सीपीआई (एम) और सीपीआई का रुख विरोधाभासी और मौन समर्थन देने वाला था। इन दलों ने न तो इस नरसंहार की स्पष्ट रूप से निंदा की और न ही चीन सरकार की आलोचना की। सीपीआई (एम) ने इसे चीन का आंतरिक मामला बताकर टालने का प्रयास किया और छात्रों की गतिविधियों को राजनीतिक अस्थिरता फैलाने वाला कहकर चीन की कार्रवाई को परोक्ष रूप से उचित ठहराया। टाइम्स आफ इण्डिया' के ही 16 जनवरी, 1990 को प्रकाशित सम्पादकीय में बताया गया कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने सार्वजानिक रूप से तियानमेन चौक नरसंहार का बचाव किया। पार्टी के मुखपत्र देशाभिमानी (मलयालम) ने तियानमेन के छात्र प्रदर्शनकारियों को उपद्रवी कहा और चीन सरकार की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया।

दुःखद बात है कि लोकतंत्र के पक्ष में उठी एक शक्तिशाली आवाज और चीनी लोगों के जनतंत्र के लिए दिए गए उस बलिदान को दुनिया ने भुला कैसे दिया?

विचार विण्डो

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए।

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग–अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग–अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी।

2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले– बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला– पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला– गढ़चिरौली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था।

वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है।

वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं।

नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं में कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए।

पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं।

पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है। गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ–साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई।

यान इस बात का रखना होगा क़ि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए, इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए। जमीनी लड़ाई में जीत केवल आधी सफलता है, अगला फोकस नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने पर होना चाहिए। जिस तरह मोदी सरकार नक्सली समस्या को खत्म काने क़ि दिशा मे तेज़ी से बाद रही है उम्मीद है क़ि वो 2026 में समस्या के स्थायी समाधान के साथ देश के सामने गर्व से खड़ीं होगी।

पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक आरसीबी या पंजाब किसे पसंद करेंगे?

यूनिक समय, दिल्ली । आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला आज शाम पंजाब किंग्स और रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जा रहा है। दोनों ही टीम अब तक एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। इस बीच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतने के लिए पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का समर्थन मिल गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ऋषि सुनक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले फाइनल के लिए आरसीबी को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। भारत दौरे पर आए ऋषि सुनक ने बताया था कि आरसीबी से उनका जुड़ाव पारिवारिक है। उन्होंने बताया था,

"मैंने बेंगलुरु के एक परिवार में शादी की है, इसलिए आरसीबी मेरी टीम है।" दरअसल, उन्हें अपनी शादी में ससुराल वालों से आरसीबी की जर्सी मिली थी और तब से वह टीम को फॉलो कर रहे हैं। आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने की उम्मीद लगाए बैठी है और सुनक ने टीम, खासकर स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।" उन्होंने कोहली द्वारा हस्ताक्षरित एक बल्ला दिखाते हुए कहा, उन्हें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पद पर रहते हुए उपहार में दिया था। उन्होंने आगे बताया, हम बहुत पहले मैच देखने जाते थे। जब मैं कार्यालय में था, तब भी मैं डाउनिंग स्ट्रीट में आरसीबी के लिए चीयर करता था। हालांकि, सुनक केवल कोहली पर ही निर्भर नहीं हैं। उन्हें उम्मीद है कि टीम के इंग्लिश खिलाड़ी भी बड़ी भूमिका निभाएंगे।

टीवी एक्टर विभु राघव नहीं रहे

कोलन कैंसर से हारे जिंदगी की जंग

यूनिक समय, दिल्ली । टीवी इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। 'निशा और उसके कजिन्स' फेम एक्टर विभु राघव का निधन हो गया है। वह स्टेज 4 कोलन कैंसर से जूझ रहे थे और लंबे समय तक इस बीमारी से संघर्ष करने के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। साल 2022 में उन्हें कोलन कैंसर डायग्नोज़ हुआ था।

विभु राघव टीवी इंडस्ट्री का एक जाना–पहचाना चेहरा थे। उन्होंने 'निशा और उसके कजिन्स', 'सावधान इंडिया' जैसे लोकप्रिय टीवी शोज़ में काम किया था। बीमारी के दौरान भी वह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहे और कैंसर से जुड़ी जानकारी व अपनी जर्नी को लोगों के साथ साझा करते रहे। कैंसर की जंग में भी उनकी जिंदादिली कम नहीं हुई। उन्होंने कई वीडियोज़ में अपनी कहानी साझा की और लोगों को इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने का काम किया। विभु ने कभी हार नहीं मानी और हर पल मुस्कुराते हुए जीवन को गले लगाया, लेकिन वक्त को कुछ और ही मंजूर था।

उनके निधन की खबर से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। उनके दोस्त और साथी कलाकारों ने सोशल मीडिया पर विभु को श्रद्धांजलि दी है और उनकी यादों को साझा किया है। विभु की इस असमय विदाई ने उनके चाहने वालों की आंखें नम कर दी हैं।

माधुरी दीक्षित ने मधुबाला का लुक अपनाकर

मुगल–ए–आजम के गाने पर डांस किया

यूनिक समय, दिल्ली । बॉलीवुड की 'धक–धक गर्ल' माधुरी दीक्षित एक बार फिर अपने खास अंदाज़ से फैंस का दिल जीत रही हैं। लंबे ब्रेक के बाद जब माधुरी ने बॉलीवुड में वापसी की, तो उनके चाहने वालों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आज भी उनकी दिलकश मुस्कान, बेहतरीन अदाकारी और मदहोश कर देने वाले डांस मूव्स लोगों को अपना दीवाना बना लेते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया पर माधुरी दीक्षित का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की सदाबहार अदाकारा मधुबाला का लुक और डांस स्टाइल रीक्रिएट किया है। ये वीडियो कलर्स टीवी के रिएलिटी शो 'डांस दीवाने' का है, जहां माधुरी ने मधुबाला के आइकोनिक गाने 'मोहे पनघट पे नंदलाल' पर परफॉर्म किया।

माधुरी ने इस गाने में न केवल मधुबाला के डांस स्टेप्स को हूबहू कॉपी किया, बल्कि उनके एक्सप्रेशन्स और अदाओं को भी बखूबी जीवंत कर दिया। उनकी इस अद्भुत प्रस्तुति को देखकर फैंस दंग रह गए। कई दर्शकों ने तो यहां तक कह दिया कि माधुरी ने इस परफॉर्मेंस में मधुबाला को भी पीछे छोड़ दिया। माधुरी का यह अंदाज़ सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोग इस परफॉर्मेंस को बार–बार देख रहे हैं। फैंस के मुताबिक, माधुरी दीक्षित ने यह साबित कर दिया कि वे केवल एक बेहतरीन डांसर ही नहीं, बल्कि एक सच्ची कलाकार हैं जो हर रूप में खुद को ढाल सकती हैं।

रजनीकांत की 'कुली' ने रिलीज से पहले ही मचाया धमाल, 80 करोड़ की डील कर रच दिया इतिहास

यूनिक समय, दिल्ली । सुपरस्टार रजनीकांत एक बार फिर सिनेमाघरों में तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। 74 साल की उम्र में भी उनका स्टारडम और चार्म कम होने का नाम नहीं ले रहा। उनकी आने वाली फिल्म 'कुली' ने रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई कर ली है, और यह किसी कॉलीवुड फिल्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओवरसीज डील बन चुकी है।

रिलीज से पहले 80 करोड़ की डील तेलुगु 123 पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, 'कुली' के ओवरसीज राइट्स के लिए टॉप डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ 80 करोड़ रुपये की बड़ी डील फाइनल की गई है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट रमेश बाला के अनुसार, यह अब तक किसी तमिल फिल्म की सबसे महंगी ओवरसीज डील मानी जा रही है। इससे साफ है कि रजनीकांत की फैन फॉलोइंग देश ही नहीं, विदेशों में भी जबरदस्त है।

फर्स्ट लुक को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स 'कुली' में रजनीकांत एक धांसू अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म की पहली झलक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी, जिससे फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। पावरफुल एक्शन, स्टाइल और स्टार पावर का जबरदस्त कॉम्बिनेशन इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट बना सकता है।

'कुली' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। खास बात ये है कि उसी दिन ऋतिक रोशन की एक बड़ी बॉलीवुड फिल्म भी रिलीज हो रही है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर साउथ बनाम बॉलीवुड की बड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

आखिरी गेंद पर रनआउट हुआ बल्लेबाज, जश्न में डूबी टीम

यूनिक समय, दिल्ली । आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 (2023–27) के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 1 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच का नायक रहे नेपाल के स्टार ऑलराउंडर करण के.सी., जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

आखिरी गेंद पर जीत का फैसला, वाइड बना 'विजयी रन' मैच का रोमांच अंतिम गेंद तक बना रहा। नेपाल को आखिरी गेंद पर जीत के लिए एक रन की जरूरत थी। स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने दबाव में आकर एक वाइड गेंद फेंक दी। हालांकि इस गेंद पर नेपाली बल्लेबाज रनआउट हो गए, लेकिन अंपायर ने गेंद को वाइड करार दिया। इसी के साथ नेपाल को जरूरी एक रन मिल गया और उन्होंने मुकाबला 1 विकेट से अपने नाम कर लिया। इस नाटकीय पल ने मैदान में मौजूद दर्शकों और खिलाड़ियों को रोमांच से भर दिया।

स्कॉटलैंड की पारी का हाल इससे पहले स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 296 रन बनाए। टीम की ओर से चार्ली टीयर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 80 रन बनाए जिसमें उन्होंने 12 चौके और 1 छक्का भी जड़ा। फिनले मैक्रेथ ने 55 रन और कप्तान रिची बैरिंगटन ने 40 रन बनाए। नेपाल की जीत से फैंस गदगद इस जीत के साथ नेपाल ने न सिर्फ अंक तालिका में जरूरी बढ़त हासिल की बल्कि यह भी दिखा दिया कि टीम अब बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम है। खासकर करण के.सी. का यह ऑलराउंड प्रदर्शन लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

फाइनल से पहले ही मिल गया ऑरेंज कैप का मालिक

यूनिक समय, दिल्ली । आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला 3 जून को दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम, नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद) में खेला जाएगा। यह रोमांचक मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच होगा। रजत पटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी और श्रेयस अय्यर की अगुवाई में उतरी पंजाब की टीम दोनों ही पहली बार आईपीएल खिताब अपने

नाम करना चाहेंगी।लेकिन फाइनल से पहले ही इस सीजन का ऑरेंज कैप विजेता तय हो चुका है। इस बार ऑरेंज कैप की रेस बेहद कड़ी रही, मगर अंत में बाज़ी मारी गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन ने।

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए हैं और टॉप पर बने हुए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें ऑरेंज कैप का असली हकदार बनाता है।

प्रभास की 'द राजा साब' मचाएगी धूम

यूनिक समय, दिल्ली । इस दिन रिलीज होगी 'द राजा साब' फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चाएं थीं और अब यह फिल्म दिवाली 2025 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। दिवाली के मौके पर रिलीज होने के चलते फिल्म को जबरदस्त ओपनिंग मिलने की उम्मीद है। प्रभास के फैंस इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हॉरर–कॉमेडी में दिखेगा नया अंदाज 'द राजा साब' एक हॉरर–कॉमेडी फिल्म है, जिसमें प्रभास का एक बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिलेगा। इस फिल्म का निर्देशन मारुति कर रहे हैं, जो कि अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वहीं, फिल्म में प्रभास के साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री मालविका मोहनन नजर आएंगी।

राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू

स्वर्ण शिखरों से चमकता मंदिर

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सीएम योगी भी होंगे शामिल

राजा राम 5 जून को राम मंदिर में होंगे विराजित

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या में राम दरबार समेत 8 मंदिरों के प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर सोने से जगमगा उठा है। मंदिर के गुंबद पर सोने की परत चढ़ाए जाने से मंदिर की खूबसूरती बढ़ गई है। दूर से ही मंदिर चमकता दिख रहा है। आज से भगवान राजा राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू हो रहा है। 101 वैदिक कर्मकांडी तीनों दिन प्राण प्रतिष्ठा के विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। इस पूजा में 1975 मंत्रों के साथ अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। इसके साथ ही रामरक्षा स्तोत्र, हनुमान चालीसा और भजनों का पाठ किया जाएगा जो 3 और 4 जून को सुबह साढ़े 6 बजे से शाम साढ़े 6 बजे तक चलेगा। वहीं 5 जून को सुबह 11 बजकर 25 मिनट पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा का पूजन होगा। 5 जून को दोपहर 1 बजे भगवान का भोग और आरती होगी। 5 जून को राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होगी जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वीवीआईपी शामिल होंगे। ये संयोग ही है कि 5 जून को ही सीएम योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी है। राम मंदिर के पहले तल पर राजा राम का दरबार होगा। इस दरबार में भगवान राम उनके अनुज लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता जानकी और सेवक हनुमान होंगे और परकोटा के दक्षिणी पश्चिमी कोने में शेषावतार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही राजा राम के साथ सात उप मंदिरों में भी स्थापित मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसमें परकोटा के ईशान कोण पर शिवलिंग, अग्नि कोण में प्रथम पूज्य श्रीगणेश, दक्षिणी भुजा के मध्य में महाबली हनुमान, नैरित्र कोण में देवता सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती, उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 5 जून को होने वाली भगवान राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा को देखने के लिए देशभर से लोग अयोध्या पहुंच रहे

हैं ऐसे में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने श्रद्धालुओं से अपील की है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए किसी को निमंत्रण नहीं दिया गया है। चंपत राय ने कहा केवल वही लोग दर्शन के लिए आएं जिन्हें वास्तव में रामलला के दर्शन करने की आवश्यकता हो। चंपत राय ने यह भी कहा कि फिलहाल मौसम अनुकूल नहीं है और मंदिर निर्माण की कुछ प्रक्रियाएं अब भी जारी हैं, जिससे श्रद्धालुओं को राम दरबार और परकोटे में स्थित मंदिरों के दर्शन करने के लिए कुछ और समय इंतजार करना पड़ेगा। प्राण प्रतिष्ठा' शब्द सुनकर अयोध्या की ओर न आएं। वहीं सोमवार को सरयू तट से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्र ने मां सरयू की पूजा–अर्चना और अभिषेक किया जिसके बाद 350 से ज्यादा महिलाएं सिर पर कलश रखकर सरयू के घाट से जल लेकर राम मंदिर के लिए जयश्री राम के जयकारे लगाते हुए निकली। यह कलश यात्रा सरयू तट से प्रारंभ होकर श्रृंगारहाट, रामकोट होते हुए गेट नंबर 2 से राम मंदिर पहुंची। इस दौरान जगह–जगह मातृशक्तियां, श्रद्धालुओं का फूल बरसा कर स्वागत किया गया।

मेरठ के एक घर में हुए 5 विस्फोटों से मकान की छत उड़ी

यूनिक समय, मेरठ । उत्तर प्रदेश में मेरठ के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित जाहिदियान मोहल्ले में मंगलवार सुबह एक घर में जबरदस्त विस्फोट से सनसनी फैल गई। इस धमाके में मकान की छत पूरी तरह उड़ गई। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां भी हिल गईं और लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। चश्मदीदों के अनुसार, कुल पांच धमाके हुए, जिनमें से आखिरी सबसे जोरदार था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान पुलिस को मकान की छत से सुतली बम बरामद हुए। इससे आशंका जताई जा रही है कि घर में सुतली बम बनाने का अवैध कार्य चल रहा था। पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया और फोरेंसिक जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने अवैध पटाखे बनाने के काम में आने वाले बारूद को बरामद किया है। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि धमाके में चार लोग घायल हुए है जिन्हें

नजदीकी अस्पताल में भेजा गया है। सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल मकान को सील कर दिया गया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शाहिद और उसके परिवार के अन्य सदस्य इस अवैध गतिविधि में शामिल थे या नहीं। वहीं इलाके के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह के अवैध गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो। वहीं, पुलिस की ओर से यह भी संकेत दिए गए हैं कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जल्द ही कुछ लोगों को हिरासत में लिया जा सकता है।

नोएडा में खुलेआम गुंडागर्दी, युवक से मारपीट

यूनिक समय, नोएडा । नोएडा में कानून व्यवस्था को चुनौती देती एक और घटना सामने आई है, जहां दिनदहाड़े एक युवक से खुलेआम मारपीट की गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने बीच सड़क पर युवक को घेर लिया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। जिससे लोगों में आक्रोश है। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव कर युवक को छुड़ाया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है और जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जेल में हुई दोस्ती, बाहर बन गए भू–माफिया

फर्जी रजिस्ट्री गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

यूनिक समय, नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो जेल में रहते हुए भी फर्जी रजिस्ट्री तैयार करके लोगों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहा था। इस गिरोह के चार सदस्य–शिवा उर्फ शिबू, दिनेश, ज्ञानेन्द्र उर्फ ज्ञानी और राजवीर–को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह जेल में रहते हुए एक–दूसरे से संपर्क में था और एक संगठित तरीके से फर्जी रजिस्ट्री तैयार करता था। जेल से बाहर आने के बाद, ये लोग फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से लोगों की संपत्तियों पर कब्जा कर लेते थे। इनका मुख्य तरीका था कि वे किसी अन्य व्यक्ति को मकान का मालिक दिखाकर, उसकी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हुए रजिस्ट्री तैयार कर लेते थे। पुलिस ने 1 जून को एक पीड़िति की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें बताया गया कि कुछ लोगों ने उसके मकान की फर्जी रजिस्ट्री कराकर अपने नाम करा लिया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने राजवीर नाम के व्यक्ति को मकान का मालिक दिखाकर, दिनेश की पत्नी नेहा के नाम पर फर्जी रजिस्ट्री करा दी थी। इसके बाद पुलिस ने सेक्टर–81 के सलारपुर खादर से इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है: शिवा उर्फ शिबू बादलपुर थाना क्षेत्र के गांव दुजाना निवासी, दिनेश, मोदीनगर के इंद्रापुरी निवासी, ज्ञानेन्द्र उर्फ ज्ञानी, मोदीनगर के गांव रोरी निवासी, राजवीर, गांव सलारपुर निवासी, डीसीपी सेंट्रल नोएडा

जोन, शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि यह गिरोह एक संगठित तरीके से काम कर रहा था और जेल से बाहर आने के बाद भी अपनी गतिविधियों को जारी रखे हुए था। पुलिस की तत्परता और जांच के कारण इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना इस बात का संकेत है कि जेल में रहते हुए भी कुछ अपराधी संगठित तरीके से अपराधों को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस की सक्रियता और जांच से इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ, जिससे अन्य संभावित अपराधों को रोका जा सका। इस मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि इस तरह के अपराधों को भविष्य में रोका जा सके।

बैट्समैन के सीने में लगी गेंद, अस्पताल में हो गई मौत

यूनिक समय, फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 12 वर्षीय किशोर की क्रिकेट खेलते समय दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वह एक स्थानीय मैदान में दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था और बल्लेबाजी कर रहा था। उसी दौरान तेज गति से आई गेंद उसके सीने पर आकर लगी। गेंद लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा और अचेत हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है और पूरे मामले

की जांच की जा रही है। किशोर की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे इलाके में शोक की लहर है। जिस खेल से बच्चे को खुशी मिलती थी, वही खेल उसकी जान ले बैठा। यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि खेल के दौरान सुरक्षा उपाय कितने जरूरी हैं, खासकर तब जब बच्चे खेल में भाग ले रहे हों।

रिफाइंड ऑयल से भरा टैंकर पलटा, बाल्टी–डिब्बा लेकर टूट पड़े लोग

यूनिक समय, अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में नेशनल हाईवे पर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक तेज रफ्तार रिफाइंड ऑयल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे पलट गया। हादसे के तुरंत बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और टैंकर से बह रहे तेल को डिब्बों व बाल्टियों में भरकर अपने घर ले जाने लगे। हादसे में टैंकर चालक घायल हो गया। दरअसल, पूरा मामला कमरौली थाना क्षेत्र के कठौरा गांव के पास वाराणसी–लखनऊ नेशनल हाईवे का है। मंगलवार सुबह टैंकर सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहा था। कठौरा गांव के पास ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा, जिससे टैंकर पलट गया। टैंकर पलटते ही उसमें भरा रिफाइंड ऑयल सड़क किनारे बहने लगा। यह देख आसपास के ग्रामीण जमा हो गए और तेल लूटने

की होड़ मच गई। ग्रामीण बाल्टी, डिब्बे सहित कई बर्तनों में रिफाइंड तेल भरकर ले गए। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया जो अब वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग कीचड़ में से रिफाइंड ऑयल छान–छानकर ले जाते हुए भी देखे जा सकते हैं। गंदगी, मिट्टी या कीचड़ की भी किसी ने परवाह नहीं की। हादसे में टैंकर चालक रामराज पुत्र राम मिलन, निवासी बहादुरपुर हैदरगढ़, जिला बाराबंकी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जगदीशपुर ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिसहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर का बढ़ते अपराध पर बड़ा एक्शन

यूनिक समय, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में लगातार बढ़ते अपराधों ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीते कुछ दिनों में हुई आपराधिक घटनाओं ने न केवल जनता में भय का माहौल पैदा किया है, बल्कि पुलिस की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। नाहल गांव में हुई फायरिंग के दौरान नोएडा के एक सिपाही की मौत और राजनगर एक्सटेंशन में होटल संचालक की सरेआम गोली मारकर हत्या जैसे मामलों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर अब एक्शन मोड में आ गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने जिले में तैनात ऐसे पुलिसकर्मियों को चिन्हित किया जो लंबे समय से एक ही स्थान पर डटे हुए थे। इनमें से कई को तुरंत प्रभाव से इधर–उधर कर दिया गया है। 19 चौकियों के प्रभारियों को बदला गया है और अन्य थानों व चौकियों में भी बदलाव की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही, अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने दो दिन के भीतर नौ कुख्यात अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया है। अन्य संदिग्धों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। बीट पुलिसिंग की रणनीति के तहत अब संगठित अपराध करने वाले गिरोहों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

सार संक्षेप

कांग्रेस में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी : राहुल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में राहुल गांधी ने पार्टी के 10 चेहरे बताए और अनुशासनहीनता को खत्म करने की बात कही, अब संगठन विरोधी हरकतों को सहन नहीं किया जाएगा।

अमित शाह 15 जून को बिहार के दौरे पर जा सकते हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 15 जून को बिहार के सीतामढ़ी और पटना में बीजेपी के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और एक सरकारी कार्यक्रम में भी उपस्थित होंगे।

नुकसान से ज्यादा परिणाम महत्वपूर्ण :अनिल चौहान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुणे में सीडीएस ने कहा आतंकवाद का कोई तर्क नहीं, भारत की ड्रोन क्षमता बेहतर है और पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी।

हाई कोर्ट ने शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम राहत देने से किया इनकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतरिम राहत न देते हुए कोर्ट ने कहा, बोलने की आज़ादी है लेकिन दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए। केस डायरी अगली सुनवाई में दाखिल होगी।

रूस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी, भारी तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिग–31के जेट से किंजल मिसाइल दागी गई, संभवतः ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया। यह पहली बार यूक्रेन में हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग है।

सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जनजाति को 85% आरक्षण

यूनिक समय, नई दिल्ली। नयी आरक्षण नीति लागू, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अलग से आरक्षण होगा। मार्च में कैबिनेट ने इस नीति को मंजूरी दी थी।

पांच देशों का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली लौटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अल्जीरिया, सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन के दौरे के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को साझा किया गया।

भारत की सॉफ्ट पावर प्रभाव : अनुराग ठाकुर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य एशिया और रूस में भारत के सांस्कृतिक प्रभाव को लेकर भाजपा सांसद ने सकारात्मक बात कही।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्‌घाटन 6 जून को

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल 'चिनाब ब्रिज' का उद्घाटन 6 जून, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी दी है। यह पुल उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का अहम हिस्सा है और कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से रेल मार्ग से जोड़ेगा। उद्घाटन के साथ ही कटरा से श्रीनगर तक दो वंदे भारत स्पेशल ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई जाएगी।

चिनाब ब्रिज 359 मीटर ऊंचा है, जो एफिल टावर से लगभग 35 मीटर ज्यादा है। यह आर्च तकनीक पर आधारित है और नदी के बीच में कोई पिलर नहीं है। पुल की लंबाई 1315 मीटर है और इसमें 29 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है।

इस पुल का निर्माण 2003 में शुरू हुआ था और करीब 22 साल बाद यह पूरा हुआ।

लागत लगभग 1486 करोड़ रुपये आई। पुल को तेज तूफान, भूकंप और विस्फोटक से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी अनुमानित जीवन अवधि 125 साल है। इस पुल से ट्रेनें 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगी।

सीडीएस अनिल चौहान बोले

ऑपरेशन सिंदूर से भारत आठ घंटे में पाकिस्तान को घुटनों पर लाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों पर बेहद सोच–समझकर और सटीक हमले किए, जिनमें कुछ हमलों की सटीकता दो मीटर से भी कम थी। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 48 घंटे तक लड़ने का दावा किया था, लेकिन भारतीय सेना ने महज आठ घंटे में ही उसे घुटनों पर ला दिया।

जनरल चौहान ने पहलगाम आतंकी हमले को इस संघर्ष की शुरुआत बताया और कहा कि यह अत्यंत क्रूर घटना थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना था, जिससे भारत आतंकवादी गतिविधियों का बंधक न बने। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब आतंकवाद और परमाणु ब्लैकमेल की छाया में नहीं रहेगा।

सीडीएस ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान युद्ध और राजनीति दोनों साथ–साथ चल रहे थे।

ऑपरेशन से कुछ सप्ताह पहले पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। इसके बावजूद, भारत ने सीमा सुरक्षा बढ़ाई और आतंकवाद के खिलाफ सैन्य अभियान की नई रणनीति अपनाई।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को 7 मई को ऑपरेशन के दिन ही सूचित कर दिया गया था, फिर भी पाकिस्तान ने कई हमले किए और 48 घंटे तक भारत को घुटने टेकने पर मजबूर करने की कोशिश की। लेकिन भारतीय सेना ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर मात्र आठ घंटे में इस संघर्ष को समाप्त कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने बातचीत की इच्छा जताई।

सीडीएस ने नुकसान के विषय में कहा कि सैन्य संघर्ष में नुकसान कम महत्वपूर्ण होते हैं, जबकि परिणाम और कार्यकुशलता अहम होती है। उन्होंने बताया कि वे तकनीकी आंकड़े जल्द साझा करेंगे, जिसमें बताएंगे कि कितने विमान और रडार नष्ट किए गए। जनरल चौहान ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सैन्य बल पेशेवर हैं और असफलताओं का प्रभाव उनके काम पर नहीं पड़ता।

इस पूरी बातचीत से स्पष्ट होता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद को कड़ा जवाब दिया और पाकिस्तान को भारत के सशस्त्र बलों की तेज़ और प्रभावी प्रतिक्रिया का अंदाजा दिया।

कोलकाता हाईकोर्ट ने हत्या के आरोपियों को मुकदमे में देरी के चलते जमानत दी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए हत्या के दो आरोपियों मुन्ना ढाली और नबू ढाली को जमानत देने का आदेश दिया है। ये दोनों आरोपी पिछले 12 वर्षों से जेल में बंद थे।

अदालत ने मुकदमे में हुई लंबी देरी को जमानत का आधार माना।

दोनों आरोपियों पर 2012 में दक्षिण 24 परगना जिले में चार लोगों की हत्या का आरोप है। पुलिस ने इन्हें उसी साल गिरफ्तार किया था। जस्टिस सुब्रा घोष ने कहा कि बिना मामले के गुण दोष पर फैसला किए, लंबित मुकदमे की देरी के कारण जमानत दी जा सकती है।

तीसरे आरोपी राजेश दास को पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि चौथे आरोपी सत्तार मंडल को गंभीरता देखते हुए जमानत नहीं दी गई।

कोर्ट ने आरोपियों को गवाहों को धमकाने या सबूतों में छेड़छाड़ न करने की कड़ी हिदायत दी है। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में देरी और आरोपी के अधिकारों के संरक्षण का एक अहम उदाहरण माना जा रहा है।

नगर निगम जमीन घोटाले मामले में

2 आईएएस और 1 पीसीएस सहित कुल 10 अधिकारी निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरिद्वार नगर निगम में हुए जमीन घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा कदम उठाया है। इस मामले में 2 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और 1 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारी समेत कुल 10 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा 2 अधिकारियों का सेवा विस्तार भी समाप्त किया गया है।

यह घोटाला हरिद्वार के ग्राम सराय में 2.3070 हेक्टेयर भूमि को करोड़ों रुपये में खरीदने से जुड़ा है, जो कूड़े के ढेर के पास स्थित था। इस संदिग्ध खरीद को लेकर मुख्यमंत्री धामी ने जांच के आदेश दिए थे। सचिव रणवीर सिंह चौहान ने प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट शासन को 29 मई को सौंप दी थी।

जांच रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री ने कार्मिक विभाग को दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद कार्मिक एवं सतर्कता विभाग ने सभी सात आरोपित अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

निलंबित अधिकारियों में हरिद्वार नगर निगम के तत्कालीन प्रशासक और वर्तमान जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह, तत्कालीन नगर आयुक्त वरुण चौधरी, तत्कालीन उपजिलाधिकारी अजयवीर सिंह, वरिष्ठ वित्त अधिकारी निकिता बिष्ट, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक विक्की, रजिस्ट्रार कानूनगो राजेश कुमार, और तहसील के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कमलदास शामिल हैं।

पहले भी पांच अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है, जिनमें प्रभारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र कुमार दयाल (सेवा समाप्त), अधिशासी अभियंता आनंद सिंह मिश्रवाण (निलंबित), कर एवं राजस्व अधीक्षक लक्ष्मी कांत भट्ट (निलंबित), अवर अभियंता दिनेश चंद्र कांडपाल (निलंबित), और सम्पत्ति लिपिक वेदपाल (सेवा विस्तार समाप्त) शामिल हैं।

सीएम धामी ने कहा, "हमारी सरकार ने शुरू से ही स्पष्ट किया है कि लोकसेवा में पद नहीं बल्कि कर्तव्य और जवाबदेही महत्वपूर्ण है। चाहे अधिकारी कितना भी वरिष्ठ हो, अगर वह जनहित और नियमों की अवहेलना करेगा, तो कार्रवाई निश्चित होगी। हम उत्तराखंड में भ्रष्टाचार मुक्त नई कार्य संस्कृति विकसित करना चाहते हैं। सभी लोक सेवकों को इसके मानकों पर खरा उतरना होगा।"

दिव्यांग लड़की की किडनैपिंग और हत्या का चौंकाने वाला मामला, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके से एक 22 वर्षीय दिव्यांग लड़की के किडनैपिंग और हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लड़की जो बोल और सुन नहीं सकती थी, उसे रविवार की सुबह उसके घर से अगवा किया गया। सीसीटीवी फुटेज में दिखाया गया है कि आरोपी राजपाल ने लड़की को हाथ–पैर बांधकर कंधे पर उठाकर ले जाते हुए कब्जा किया।

पुलिस को रविवार सुबह मदनपुर खादर एक्सटेंशन से पीसीआर कॉल मिली, जिसमें लड़की के अपहरण की सूचना थी। कुछ ही देर बाद, उसी इलाके में एक खाली झुग्गी में लड़की का शव पाया गया, जिसकी पहचान अपहृत लड़की के रूप में हुई। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला घोंटना बताया गया है।

पुलिस ने मौके पर जांच के दौरान स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी की पहचान कर मंगलवार को एनकाउंटर में उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने हत्या और अपहरण का मामला दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। अभी अंतिम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

यह घटना समाज में दिव्यांग लोगों की सुरक्षा पर एक बड़ा सवाल खड़ा करती है और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

जूता विवाद में फंसे राहुल गांधी

यूनिक समय,नई दिल्ली। राहुल गांधी के मध्य प्रदेश दौरे के दौरान एक वीडियो वायरल होने से नया विवाद खड़ा हो गया है। इस वीडियो में राहुल गांधी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जूते पहने हुए नजर आए, जिससे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यादव ने इसे राज्य की संस्कृति और संस्कारों के खिलाफ बताया है।

राहुल गांधी भोपाल स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पर इंदिरा गांधी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने जूते नहीं उतारे, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस मामले पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनका प्रदेश में आना लोकतंत्र की ताकीद है और सभी को आने का अधिकार है। लेकिन उन्हें अपनी संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। यादव ने कहा, "राहुल गांधी ने अपनी दादी को पुष्पांजलि दी लेकिन जूते नहीं उतारे, यह हमारे संस्कारों के

सीएम मोहन यादव ने जताई नाराजगी

खिलाफ है। मुझे यह ठीक नहीं लगा।"

मुख्यमंत्री के बाद मंत्री विश्वास सारंग ने भी राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए इस घटना को 'पॉलिटिकल टूरिज्म' बताया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा है कि किसी महापुरुष की फोटो या मूर्ति पर पुष्प अर्पित करते समय जूते उतारना आवश्यक है, लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया। विश्वास सारंग ने यह भी कहा कि यह व्यवहार इटली की संस्कृति की तरह है, न कि भारत की सनातन संस्कृति का हिस्सा। उन्होंने राहुल गांधी से माफी मांगने और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की अपील की है। इस विवाद ने राजनीतिक हलकों में गरमाहट बढ़ा दी है। कांग्रेस का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला है, जबकि भाजपा इसे संस्कारों का उल्लंघन मान रही है। ऐसे मामलों से राजनीतिक टकराव और बढ़ने की संभावना बनी हुई है।

आगरा में बड़ा दर्दनाक हादसा

यमुना में नहाने गई छह बालिकाओं की डूबने से मौत

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना सिकंदरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नगला नाथू में मंगलवार सुबह एक हृदय विदारक घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। यमुना में नहाने गई छह बालिकाएं डूब गईं। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाली चार बालिकाओं की जान नहीं बचाई जा सकी। दो बालिकाओं ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। यह हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ, जब ये सभी बालिकाएं चुपचाप घर से निकलकर यमुना की ओर चली गई थीं। जानकारी के अनुसार, डूबने वाली सभी बालिकाएं एक ही परिवार की थीं। मृतकों में तीन सगी बहनें और एक चचेरी बहन शामिल हैं। इन सभी की उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच थी। ये सभी नगला नाथू गांव की रहने वाली थीं, जो यमुना नदी से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बताया जा रहा है कि बालिकाओं ने घर से बाहर निकलते समय अपने परिजनों को इसकी जानकारी नहीं दी थी। यमुना किनारे पहुंचकर उन्होंने अपने मोबाइल फोन से सोशल मीडिया के लिए रीलें भी बनाई थीं। इसी दौरान, कुछ बालिकाएं गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। जैसे ही साथ में मौजूद अन्य लड़कियों ने 'बचाओ-बचाओ' की आवाजें लगाईं, नजदीकी खेतों में काम कर रहे किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे। घटना की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। ग्रामीण तुरंत यमुना की ओर भागे। गांव के ही कुछ गोताखोरों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बालिकाओं को बचाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद छह बालिकाओं को नदी से बाहर निकाला गया। लेकिन, तब तक चार बालिकाओं की सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही

रील बनाने के चक्कर में हुई घटना

जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी और अपर पुलिस आयुक्त राम बदन सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। हालांकि, गांव तक पहुंचने वाला रास्ता कच्चा होने के कारण एंबुलेंस मौके तक नहीं पहुंच सकी। इस कारण घायल बच्चियों को गांव वालों ने बाइक के सहारे निजी अस्पताल पहुंचाया। बचाई गई दो बालिकाओं की हालत गंभीर थी। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृत बालिकाओं के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव में मातम पसरा हुआ है।

सच्ची घटना पर आधारित

प्रिय पाठकों मैं आपको एक सच्ची घटना से आगामी अंकों में रूबरू कराने का प्रयास करूंगा कि कैसे उच्च शिक्षित वैवाहिक जोड़ा मात्र एक माह में इतनी दूरियां बना लेता है कि उसका समाधान अत्यधिक प्रयासों के बावजूद भी उनको एक नहीं कर पाता। उक्त जोड़ा नवम्बर 2020 में शादी के बंधन से लेकर आज दिनांक 31 मई 2025 को कैसे हमेशा के लिए दूर हो जाता है। मात्र 4 वर्ष में आरोप प्रत्यारोप के दौर के बीच पुलिस केस, पुलिस का उठाना, जेल यात्रा से लेकर बहुत सारे मोड़ आते हैं जिसमें कैसे पैसा, समय, उम्र तबाह होती है। कोर्ट की फिर कभी न मिलने के आदेश पर कोर्ट की मोहर लगती है। उसको आप आगामी अंको में पढ़ना न भूलें। धन्यवाद

डीएम मथुरा के नाम से बनाया फर्जी वाट्सएप

लोगों को भेजे मैसेज, रूपये मांगे

डीएम ने कराई सदर थाने में एफआईआर, पुलिस जांच में जुटी

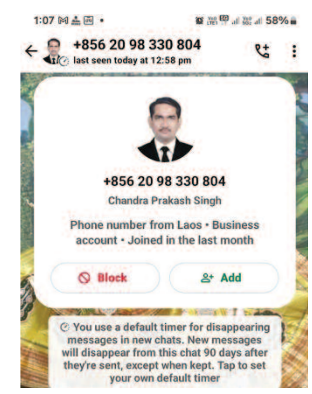

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एक अज्ञात व्यक्ति की ओर से डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के नाम से वाट्सअप बनाकर मैसेज भेजे जा रहे थे। जब इसकी जानकारी जिलाधिकारी को हुई तो वे असमंजस में पड़ गए। वे सोच में पड़ गए कि ऐसा करने वाला कौन है। इनके पास डीएम के नाम से मैसेज पहुंचे, उनमें हड़कंप मच गया। तुरंत उन्होंने थाना सदर में एफआईआर दर्ज करा दी है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के नाम से मोबाइल नम्बर 8562098330804 से फर्जी वाट्सएप बना दिया। जिससे उनके नाम से लोगों और अधिकारियों को मैसेज भेज जा रहे थे। जब इसकी जानकारी डीएम को हुई तो उन्होंने लोगों से अपील की है कि उक्त नम्बर से कोई मोबाइल मैसेज व कॉल आए तो उससे गुमराह नहीं हो। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा एफआईआर दर्ज करा दी गई है। एसएसपी से पुलिस की आईटी सेल को इसकी जांच कराने को कहा कि वह व्यक्ति कौन है और कहां से उनके नाम का दुरूपयोग कर रहा है।

बीएसए कॉलेज में नकल पर कड़ी निगरानी

चेकिंग दल ने नौ छात्र पर्ची व मोबाइल से नकल करते पकड़े

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित विधि (एलएलबी, बीए एलएलबी) एवं बीएड परीक्षाओं के दौरान बीएसए (पीजी) कॉलेज में नकल के प्रयासों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मंगलवार को कॉलेज में नियुक्त सचल दल ने जांच के बाद नौ छात्रों को पर्ची व मोबाइल के माध्यम से नकल करते हुए पकड़ा। इन सभी के विरुद्ध विश्वविद्यालय के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आम्बेडकर विश्व विद्यालय आगरा ने बीएसए कॉलेज को एलएलबी, बीए एलएलबी के 20 और बीएड के 32 कॉलेजों का नोडल केंद्र बनाया गया है। परीक्षा में शामिल होने वाले प्रत्येक छात्र की कड़ी तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। फिर भी एलएलबी के पांच छात्र पर्चियों और मोबाइल से नकल करते पकड़े गए, जिनकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को भेज दी गई है। शाम की पाली में प्राचार्य प्रो. डॉ.

प्राचार्य ने छात्रों को दी चेतावनी नकल की तो होगी कार्रवाई

ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में डॉ. बी.पी. राय, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. ए.पी. सिंह, यू.के. त्रिपाठी और बी.के. गोस्वामी ने निरीक्षण किया। जांच के दौरान एएम कॉलेज और पूरन गोपाल शुक्ला कॉलेज के परीक्षार्थियों को नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। संबंधित छात्रों को केंद्राध्यक्ष द्वारा आवश्यक प्रक्रिया के तहत बुक किया गया। विश्वविद्यालय को रिपोर्ट भेज दी गई। प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा ने स्पष्ट किया कि बीएसए कॉलेज नकल के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए हुए है। फ्लाइंग टीम को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता, नकल या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए।

ब्लॉक कॉर्डिनेटर के साक्षात्कार को पहुंचे पांच अभ्यर्थी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में राजीव भवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में बेसिक शिक्षा विभाग अन्तर्गत के ब्लाक कोर्डिनेटर के चयन हेतु साक्षात्कार आयोजित किये। इसमे 15 आवेदनकर्ताओं के सापेक्ष 05 आवेदनकर्ताओं का साक्षात्कार किया गया। साक्षात्कार हेतु चयन समिति मे अध्यक्ष मनीष मीना मुख्य विकास अधिकारी एवं सदस्य के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र बुद्धसेन एवं जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) विक्रान्त कुमार शामिल थे।

राजीव भवन में अपने कार्यालय में ब्लॉक कॉर्डिनेटर के पद का साक्षात्कार लेते मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना।

जनसुनवाई में 10 शिकायतों में से चार का निस्तारण

जनसुनवाई करते नगर आयुक्त जग प्रवेश व अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई 10 शिकायत कर्ताओं ने पहुंच कर अपनी शिकायतें सुनाई। इनमें से 4 शिकायतों को अधीनस्थ अधिकारियों को मौके पर भेजकर निस्तारण कराया। 6 शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों से कहा कि समय से इनकी शिकायतों का निस्तारण किया जाए। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, महा प्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा तथा मुख्य अभियंता सिविल अमरेन्द्र गौतम आदि उपस्थित थे।

हृदय और कैंसर जैसी 6 सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं अब होम्योपैथी में भी

यूनिक समय, मथुरा। होम्योपैथी चिकित्सा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से छह सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों की शुरुआत की घोषणा की है। इन पाठ्यक्रमों में शामिल हैं: क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी, क्लिनिकल रयूमेटोलॉजी, पल्मोनरी मेडिसिन, पीडियाट्रिक साइकियाट्री, न्यूरोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी।

यह डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) होम्योपैथी पाठ्यक्रम तीन वर्षों का होगा, जिसे तीन भागों में विभाजित किया जाएगा, प्रत्येक भाग की अवधि 12 महीने होगी। कुल मिलाकर, यह कोर्स अधिकतम छह वर्षों में पूरा करना अनिवार्य होगा। प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के पास एमडी होम्योपैथी डिग्री होनी चाहिए, और उन्हें ऑल इंडिया होम्योपैथी सुपर स्पेशियलिटी एंट्रेंस टेस्ट में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50% और आरक्षित वर्ग के लिए 40% अंक आवश्यक होंगे। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवार का राज्य बोर्ड या राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के साथ पंजीकरण अनिवार्य होगा। जुलाई 2026 से सरकारी मेडिकल संस्थानों में इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत होगी। शिक्षण के लिए अनुभवी होम्योपैथी विशेषज्ञों और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। इससे होम्योपैथी चिकित्सा में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे मरीजों को बेहतर और विशिष्ट उपचार सेवाएं मिल सकेंगी। होम्योपैथी में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों की शुरुआत से चिकित्सा क्षेत्र में एक नई दिशा मिलेगी। यह कदम होम्योपैथी चिकित्सा को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समकक्ष लाने और मरीजों को विशिष्ट उपचार सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। इससे होम्योपैथी चिकित्सकों को भी अपनी विशेषज्ञता में वृद्धि करने का अवसर मिलेगा।

बंटवारे को लेकर ढाबे पर दो गुट आमने सामने, 11 दबोचे

यूनिक समय, कोसीकलां। कोटवन बॉर्डर स्थित एक ढाबे पर बंटवारे को लेकर दो गुटों में तलवारें खिंच गईं। ऐन मौके पर पुलिस पहुंच गई और जमकर लाठियां फटकारी और 11 लोगों को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार हाईवे स्थित शिवा विजय ढाबा पर आपसी बंटवारे को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए। तैयारी पूरी थी। दोनों ओर से दर्जनों लोग आमने सामने थे। इसकी भनक जैसे ही पुलिस को लगी वह हरकत में आ गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने वहां एकत्रित लोगों

दोनों पक्षों के लोग भिड़ने को थे तैयार, पुलिस ने फटकारी लाठियां

पर लाठियां भांजनी शुरू कर दी। इसके बाद लोग तितर बितर हुए। हालात को भांपते हुए पुलिस ने विवाद पर आमादा 11 लोगों को हिरासत में ले लिया और थाने ले गए। वहां दोबारा कोई तनातनी न हो, लिहाजा वहां पुलिस भी तैनात रही। इंस्पेक्टर ने अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि शांति व्यवस्था से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053